माघ शुक्ल - 7 | संवत 2080 | वर्ष - 19 | अंक - 202 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » शुक्रवार » 16-02-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 असम को जल्द ही सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई मिलेगी : चंद्रशेखर
6 भारत का वैदिक ज्ञान, देश के साथ विश्व को देता ज्ञानालोक
7 अबू धाबी में हिंदू मंदिर के उद्घाटन का साक्षी बनकर धन्य हूं : अक्षय कुमार

फर्स्ट टेक

भारत, नेपाल के केंद्रीय बैंकों ने यूपीआई-एनपीआई को जोड़ने के लिए समझौता किया

मुंबई/भाषा। भारत और नेपाल के केंद्रीय बैंकों- भारतीय रिजर्व बैंक और नेपाल राष्ट्र बैंक ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और नेशनल पेमेंट इंटरफेस (एनपीआई) के एकीकरण के लिए समझौते किए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बयान में कहा, एकीकरण की औपचारिक शुरुआत या परिचालन की शुरुआत बाद की तारीख में की जाएगी। इसने कहा, इस एकीकरण का उद्देश्य दोनों प्रणालियों के उपयोगकर्ताओं को तत्काल, कम लागत वाले धन हस्तांतरण को सक्षम बनाकर भारत और नेपाल के बीच सीमापार प्रेषण की सुविधा प्रदान करना है।

16-02-2024 सूर्यास्त 6:25 बजे	17-02-2024 सूर्योदय 6:42 बजे
BSE 72,050.38 (+227.55)	NSE 21,910.75 (+70.70)
सोना 6,487 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 72,342 रु. प्रति किलो

चुनावी बॉण्ड योजना को उच्चतम न्यायालय ने निरस्त किया

दानदाताओं, राशि के खुलासे का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉण्ड योजना को 'असंवैधानिक' करार देते हुए निरस्त कर दिया तथा चंदा देने वालों, बॉण्ड के मूल्यों और उनके प्राप्तकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने 2018 की इस योजना को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं सूचना के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। शीर्ष अदालत केंद्र की इस दलील से सहमत नहीं थी कि इस योजना का उद्देश्य राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाना और काले धन पर अंकुश लगाना था।

लोकसभा चुनाव से पहले आए इस फैसले में उच्चतम न्यायालय ने इस योजना को तत्काल बंद करने तथा इस योजना के लिए अधिकृत वित्तीय संस्थान 'भारतीय स्टेट बैंक' (एसबीआई) को 12 अप्रैल, 2019 से अब तक खरीदे गए चुनावी बॉण्ड का विस्तृत ब्योरा छह मार्च तक निर्वाचन आयोग को सौंपने का भी निर्देश दिया।

न्यायालय के आदेशानुसार, निर्वाचन आयोग 13 मार्च तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर छह वर्ष पुरानी इस योजना में दान देने वालों के नामों की जानकारी उपलब्ध कराएगा। संविधान पीठ ने 232 पृष्ठों के अपने दो अलग-अलग, लेकिन सर्वसम्मत फैसलों में कहा कि एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुगतान कराए गए सभी चुनावी बॉण्ड का ब्योरा देना होगा। इस ब्योरे में यह भी शामिल होना चाहिए कि किस तारीख को यह बॉण्ड भुनाया गया और इसकी राशि कितनी थी। इसने कहा कि साथ ही पूरा विवरण छह मार्च तक निर्वाचन आयोग के समक्ष पेश किया जाना चाहिए।

लगातार मजबूत हो रहे हैं भारत-कतर संबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोहा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ बातचीत के बाद कहा कि भारत-कतर संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग करने पर विचार कर रहे हैं।

कतर सरकार द्वारा भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व कर्मियों को रिहा किए जाने के कुछ दिन बाद यह बैठक हुई जिन्हें अगस्त, 2022 में गिरफ्तारी के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी।

मोदी ने अमीर के साथ अपनी मुलाकात को ''अद्भुत'' बताया और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ सार्थक बैठक हुई। हमने

भारत-कतर संबंधों की पूरी शृंखला की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देश भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए भी तत्पर हैं। चर्चा व्यापार और निवेश, ऊर्जा, अंतरिक्ष, सांस्कृतिक तथा लोगों से लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने एवं द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित रही।

मोदी ने दोहा में अपने औपचारिक स्वागत की तस्वीरों के साथ एक अन्य पोस्ट में कहा, भारत और कतर के संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं!''

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मोदी तथा अमीर के बीच बैठक को ''सार्थक'' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने कतर के नेता को उस देश में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए धन्यवाद दिया।

मोदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा के बाद बुधवार की रात दोहा पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री ने आठ भारतीयों की रिहाई के लिए कतर के अमीर को धन्यवाद दिया

दोहा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी को बृहस्पतिवार को धन्यवाद दिया। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने प्रेस वार्ता में कहा कि मोदी ने खाड़ी देश में भारतीय समुदाय के कल्याण के वास्ते समर्थन के लिए अमीर को धन्यवाद दिया। क्वात्रा ने कहा, प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के कल्याण के वास्ते समर्थन के लिए अमीर को धन्यवाद दिया और इस संबंध में, अल-दहरा कंपनी के आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए उनकी सराहना की।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कनफ्यूज्ड किसान

कानून दिलाएगा खुशियां,
सुन कर खुश थे इनके किसान।
कर देगा यह बर्बाद उन्हें,
आक्रोशित हैं उनके किसान।
खेतों की जगहां सड़कों पर,
असमंजस में जिनके किसान।
जो इनके हैं ना उनके हैं,
वे हैं आखिर किनके किसान।।

भ्रष्टाचार और संरक्षण प्रतिभा के लिए घातक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कानून के समक्ष समानता को लोकतांत्रिक शासन के लिए सर्वोत्कृष्ट करार देते हुए गुरुवार को कहा कि भ्रष्टाचार और संरक्षण युवा प्रतिभा के लिए सबसे घातक है।

उपराष्ट्रपति ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के 125 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और संरक्षण युवा नवोन्वेषी दिमागों के लिए सबसे घातक हैं। इन से योग्यता और क्षमता प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि युवा लोग भ्रष्टाचार से नफरत करते हैं क्योंकि वे भाई-भतीजावाद, पक्षपात से ठगा हुआ महसूस करते हैं।

प्रशासनिक सुधारों की चर्चा करते हुए धनखड़ ने कहा कि सत्ता गलियारे अब भ्रष्ट तत्वों से पूरी तरह मुक्त हो गए हैं और एक पारदर्शी, जवाबदेह प्रणाली स्थापित हो गई है। उन्होंने कहा कि योग्यता का बोलबाला है और युवा आकांक्षा कर सकते हैं, अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं और अपनी क्षमता का पूरा लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा, कानून के समक्ष समानता लोकतांत्रिक शासन के लिए सबसे अपरिहार्य विशेषता है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, कानून के लंबे हाथ हर किसी तक पहुंच रहे हैं, खासकर उन लोगों तक जिन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें कानून के प्रति जवाबदेह ठहराया जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि कानून का सम्मान राष्ट्रवाद, लोकतंत्र और योग्यता का सम्मान है। कानून का सम्मान भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा रहा है।

कर्नाटक में साइनबोर्ड में 60 फीसदी कन्नड़ भाषा के इस्तेमाल संबंधित विधेयक विधानसभा में पारित

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक विधानसभा में बृहस्पतिवार को व्यावसायिक और अन्य प्रतिष्ठानों के साइनबोर्ड में 60 फीसदी कन्नड़ भाषा के इस्तेमाल को अनिवार्य करने वाला एक विधेयक पारित किया गया। सरकार ने सदन में कहा कि अनुपालन नहीं करने पर प्रतिष्ठानों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। कन्नड़ भाषा व्यापक विकास (संशोधन) विधेयक-2024 के तहत 2022 के अधिनियम में संशोधन किया गया है। संशोधन के तहत यह सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है कि वाणिज्यिक, औद्योगिक एवं व्यावसायिक उपक्रमों, न्यासों, परामर्श केंद्रों, अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, मनोरंजन केंद्रों तथा होटल और सरकार या स्थानीय अधिकारियों से मंजूरी प्राप्त प्रतिष्ठान अपने साइनबोर्ड में 60 फीसदी कन्नड़ भाषा का इस्तेमाल करें।

ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, 18 ನೇಕ್ರಾಸ್, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು,

केंद्रीय विद्यालय, मल्लेश्वरम
18वाँ क्रॉस, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु - 560055
PM SHRI

KENDRIYA VIDYALAYA, MALLESWARAM, 18th Cross, Malleswaram, Bengaluru-560055
KV Code: 1049 | Region code: 02 | Station Code: 027
No. F.13350/2024-25/KVM/ | Date : 15.02.2024

संविदात्मक शिक्षकों के लिए साक्षात्कार

सत्र 2024-25 के लिए निम्नलिखित पदों के लिए संविदा आधार पर दिनांक 28.02.2024 को प्रदत्त सूचना के अनुसार प्रवेश साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

क्र. सं.	अंतर्निहित वस्तु	साक्षात्कार की तिथि और समय
1.	स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) - अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और कंप्यूटर विज्ञान।	28.02.2024 को सुबह 8.30 बजे से सुबह 11.30 बजे तक
2.	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(टीजीटी) - अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, गणित, सामाजिक-अध्ययन और विज्ञान।	
3.	प्राथमिक शिक्षक	
4.	संगणक अनुदेशक, कन्नड़ा अनुदेशक, चिकित्सक, नर्स, खेल प्रशिक्षक, योग अनुदेशक, शैक्षणिक परामर्शदाता (काउंसलर), विशेष शिक्षक और बालवाटिका-3 (पूर्व-प्राथमिक शिक्षक)	8.30 AM - 11.30 AM

योग्यता मानदंड आदि के संबंध में अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट - https://malleshwaram.kvs.ac.in का अवलोकन करें। अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय अपने सभी मूल दस्तावेज़ (डॉक्युमेंट्स) छायाप्रति सहित लेकर आएँगे।

प्राचार्य / PRINCIPAL

इमरान खान की पार्टी ने उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री उम्मीदवार नामित किया

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने बृहस्पतिवार को पूर्व सैन्य तानाशाह अयूब खान के पोते एवं पार्टी महासचिव उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री पद के अपने उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। चौवन-वर्षीय उमर अयूब खान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) के उम्मीदवार के रूप में 2013 का चुनाव हारने के बाद 2018 के आम चुनाव से पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में शामिल हो गए। खंडित जनादेश और किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण पाकिस्तान को अभी तक नई सरकार नहीं मिल पाई है।

आईएसआईएस षड्यंत्र मामले में एनआईए ने महाराष्ट्र में कई जगहों पर छापे मारे, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिमी घाट क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की वैश्विक आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की साजिश से संबंधित एक मामले में महाराष्ट्र में कई जगहों पर छापों के बाद बृहस्पतिवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व में औरंगाबाद) में नौ जगहों पर अनेक संदिग्धों के आवासों पर छापों के दौरान मोहम्मद जोहेब खान को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि इस कार्रवाई के दौरान मामले से संबंधित अनेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। प्रवक्ता ने कहा कि खान के खिलाफ मामला एनआईए मुंबई द्वारा इस जानकारी के आधार पर दर्ज किया गया था कि उसने और उसके साथियों ने आईएसआईएस खलीफा के लिए काम करने की 'बयथ' (शपथ) ली थी और वे भोले-भाले युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से और सोशल मीडिया दोनों जगहों पर कट्टरपंथी बनाने तथा वैश्विक आतंकवादी समूह में शामिल करने एवं उसकी हिंसक विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए भर्ती करने में शामिल थे।

हमें किसानों के तौर तरीके पर आपत्ति है : खट्टर

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने मांगों को मनवाने के लिए किसानों के ''तौर तरीकों'' की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए कहा कि वे आक्रमण करने जा रही एक सेना की तरह दिल्ली की ओर कूच करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसान सेना की तरह ट्रैक्टर ट्रॉली, अर्थ-मूवर और एक साल का राशन लेकर आगे बढ़ रहे हैं। खट्टर ने किसानों के 'दिल्ली चलो' के आह्वान पर कहा, हमें उनके तरीके पर आपत्ति है। हमें उनके दिल्ली जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। ट्रेन, बस और उनके अपने वाहन हैं। लेकिन ट्रैक्टर परिवहन का कोई साधन नहीं है। यह एक कृषि उपकरण है। पंजाब के किसान अपनी मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए दिल्ली की ओर कूच करने के वास्ते शंभू और खनौरी सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। किसान नेताओं ने कहा कि वे केंद्र सरकार के साथ बैठक होने तक दिल्ली की ओर बढ़ने का कोई नया प्रयास नहीं करेंगे।

सरकार 2027 तक दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कर रही है प्रयास : मुंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता भारत 2027 तक दलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने और आयात कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि घरेलू दलहन उत्पादन में पहले ही उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जो 2014 के 1.7 करोड़ टन से अब काफी अधिक हो चुका है। इस साल के लिए लक्ष्य 2.95 करोड़ टन के उत्पादन का है। मुंडा ने जलवायु अनुकूल किस्मों और अन्य प्रौद्योगिकियों के तेजी से प्रसार की जरूरत पर भी जोर दिया। दालों की कमी को पूरा करने के लिए देश सालाना लगभग 35 लाख टन दलहन का आयात करता है।

मुंडा ने यहां ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन (जीपीसी) और सहकारी संस्था नेफेड की ओर से आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारत चने और कई अन्य दलहन फसलों में आत्मनिर्भर हो गया है। ...केवल अरहर और उड़द में थोड़ी कमी रह गई है। 2027 तक दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने बीजों की नई किस्मों की आपूर्ति बढ़ा दी है। ...साथ ही अरहर और उड़द की खेती बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए खाका तैयार किया है। सरकार बीज विकास अनुसंधान और खेती के मूल्यांकन के लिए उपग्रह इमेजरी जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है, उचित और समय पर सलाह प्रदान कर रही है और सिंचाई एवं उर्वरक के लिए प्रत्येक किसान के खेत की 'मैपिंग' कर रही है। चालू रबी सत्र के दौरान मसूर का रकबा एक लाख हेक्टेयर बढ़ गया है। सिंचित क्षेत्रों में तुअर की बुवाई के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार ने तुअर की सुनिश्चित और पूर्ण खरीद के लिए एक पोर्टल शुरू किया है।

'डिजिटलीकरण के दौर में प्रासंगिक बने रहने को आत्मनिरीक्षण करे एसपीएमसीआईएल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लि. (एसपीएमसीआईएल) से डिजिटलीकरण के दौर में स्वयं को बदलने का रास्ता तलाशने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब देश में डिजिटलीकरण बढ़ने से नोट की छपाई का कंपनी का मुख्य कार्य कम हो रहा है, उसे प्रासंगिक बने रहने के लिए आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

सीतारमण ने एसपीएमसीआईएल के 19वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब डिजिटल युग में सिक्के ढालना थोड़ा धीमा हो गया है, निगम ने स्मारक सिक्के लाकर खुद को प्रासंगिक बनाए रखा है। इन सिक्कों को स्मृति चिन्ह के रूप में उपहार में दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि निगम के बनाए स्मारक टिकट और सिक्के भारत की ब्रांडिंग, सांस्कृतिक और पर्यावरण संबंधी मुद्दों को उकेरते हैं।

एसपीएमसीआईएल ने सोने और चांदी के रिफाइनिंग में मानक स्थापित किए हैं। संगठन ने 2022-23 से 5,300 किलोग्राम जब्त सोने को परिष्कृत किया है। इसने 2022-23 के लिए 533.77 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। एसपीएमसीआईएल के मुख्य कार्यों में बैंक नोट और सिक्के, स्मारक सिक्के और पासपोर्ट तथा गैर-न्यायिक डाक टिकट जैसे सुरक्षा उत्पाद का निर्माण शामिल है। सीतारमण ने कहा कि एसपीएमसीआईएल ऐसे युग में काम कर रही है, जहां डिजिटल मुद्रा बढ़ेगी और मुद्रा ढालने का इसका मुख्य काम संभवत: भविष्य में नाममात्र का रह जाएगा।

उन्होंने कहा, ऐसे में जब मुख्य कार्य खत्म हो रहा है और यह आपके प्रदर्शन के कारण नहीं बल्कि डिजिटलीकरण के कारण है, तो आपको यह देखना होगा और आत्मनिरीक्षण करना होगा कि आपके पास भविष्य के लिए क्या है?''

जरांगे को चुप बैठना चाहिए, मराठा आरक्षण पर सरकार ठोस निर्णय लेगी : भुजबल

मुंबई/भाषा। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा में मराठों के ''पीछे के दरवाजे से प्रवेश'' का विरोध कर रहे महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने बृहस्पतिवार को कहा कि कार्यकर्ता मनोज जरांगे को चुप बैठना चाहिए क्योंकि राज्य सरकार मराठा आरक्षण मुद्दे पर ''ठोस निर्णय'' लेगी। भुजबल ने यहां पत्रकारों से कहा कि वह मराठों को एक अलग कोटा देने के पक्ष में हैं, लेकिन इसकी पड़ताल और सत्यापन किए बिना उन्हें कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के खिलाफ हैं। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को कहा था कि आरक्षण और मराठा समुदाय की अन्य मांगों पर चर्चा के लिए 20 फरवरी को राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। जरांगे ने जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में छठे दिन अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखी और कहा कि वह कुनबी मराठों के 'रक्त संबंधियों' पर सरकार की मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने की मांग को लेकर दबाव डालने के लिए 18 या 19 फरवरी को मुंबई जाएंगे।

स्वामी ने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर एक्सिस बैंक के खिलाफ जांच का अनुरोध किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से मैक्स लाइफ इंश्योरेंस में शेयरों की बिक्री व खरीद के माध्यम से अनुचित लाभ अर्जित करने के लिए एक्सिस बैंक द्वारा की गई कथित धोखाधड़ी की जांच का आदेश देने का आग्रह किया। एक्सिस बैंक की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि उन्हें याचिका की प्रति नहीं दी गई है, जिसके बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। भाजपा के पूर्व सांसद स्वामी ने अदालत से मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का अनुरोध किया और कहा कि निजी क्षेत्र के बैंकों में गड़बड़ियों को सामने लाया जाना चाहिए। स्वामी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि एक्सिस बैंक ने गैर-पारदर्शी तरीके से और नियमों का उल्लंघन करते हुए मैक्स लाइफ के इक्विटी शेयरों की बिक्री व खरीद से कुल 4,000 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ अर्जित किया है।

खाद्य कीमतों के झटके, भू-राजनीतिक तनाव मुद्रास्फीति से निपटने में चुनौतियां : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि खाद्य कीमतों की तरफ से बार-बार झटके लगने और भू-राजनीतिक मोर्चे पर नए तनाव पैदा होने से मुद्रास्फीति से निपटने की राह में चुनौतियां पैदा होती हैं। दास ने यहां '59वें सीसेन गवर्नर्स सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि कहा, हम अवस्फीति (मुद्रास्फीति में गिरावट) के अंतिम चरण से निपटने के लिए सतर्क हैं क्योंकि यह अक्सर सफर का सबसे मुश्किल दौर होता है। हमारा दृढ़ मत है कि स्थिर और निम्न मुद्रास्फीति स्थायी आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी आधार देगी।

उन्होंने कहा कि भारत कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर चुका है और सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, विवेकपूर्ण मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों ने मुश्किल परिस्थितियों से निपटने में भारत की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। आरबीआई का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7% की दर से बढ़ेगी। यह लगातार चौथा साल होगा जब इसकी वृद्धि दर सात प्रतिशत या उससे अधिक रहेगी। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति वर्ष 2022 की गर्मियों के उच्चतम स्तर से अब नीचे आ चुकी है। द्विमासिक मौद्रिक नीति के लिए अहम खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी महीने में 5.1% रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार आने वाले खाद्य कीमतों के झटके और भू-राजनीतिक मोर्चे पर नए सिरे से तनाव बिंदुओं के उभरने से मुद्रास्फीति में नरमी की प्रक्रिया के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। लगातार कई प्रतिकूल झटकों के बीच भारत की समन्वित नीतिगत प्रतिक्रिया भविष्य के लिए एक अच्छा मॉडल हो सकती है।

नवीकरणीय ऊर्जा में छह साल में 30 लाख करोड़ रुपए निवेश की जरूरत : इरेडा प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। देश को अपनी कार्बन उत्सर्जन कटौती की प्रतिबद्धताएं पूरी करने के लिए छह वित्त वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत है। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह बात कही गई। भारत ने अपनी 50% बिजली उत्पादन क्षमता को गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही सरकार का लक्ष्य वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जक देश बनने का है।

भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने विश्व बैंक के एक वेबिनार में कहा कि सौर, इलेक्ट्रोलाइजर, पवन और बैटरी, हरित हाइड्रोजन, पनबिजली, पवन और अपशिष्ट से बिजली उत्पादन क्षेत्रों के लिए क्षमता तैयार करने में निवेश की जरूरत होगी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इरेडा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई है। बिजली मंत्रालय के इस बयान के मुताबिक, इरेडा के मुखिया ने वर्ष 2030 तक भारत के निर्धारित योगदान लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पर्याप्त निवेश की जरूरत पर बल दिया है।

विकासशील देशों के खिलाफ कार्बन कर लगाना अनुचित : नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों के कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (सीबीएएम) जैसे उपाय विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सही नहीं हैं। यूरोपीय संघ ने भारत और चीन जैसे देशों के इस्पात, सीमेंट जैसे कुछ क्षेत्रों के उत्पादों पर कार्बन कर (सीबीएएम) लगाने का फैसला किया है।

कार्बन कर एक जनवरी, 2026 से लागू होगा। एक अक्टूबर, 2023 को शुरू हुई परीक्षण अवधि के दौरान इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, एल्युमीनियम और हाइड्रोकार्बन उत्पादों सहित सघन कार्बन उत्सर्जन वाले सात क्षेत्रों को उत्सर्जन आंकड़े यूरोपीय संघ के साथ साझा करने हैं। नागेश्वरन ने आश्चर्य जताते हुए कहा, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई करके विकासशील देश विकसित दुनिया में लोगों और कंपनियों के जीवन और संपत्तियों को भी सुनिश्चित कर रहे हैं... अगर ऐसा है तो विकसित देशों में आर्थिक गतिविधियां सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से कार्रवाई करने के बदले में उन्हें क्या मिल रहा है?'' आर्थिक मामलों के विभाग और एशियाई विकास बैंक द्वारा संयुक्त रूप से जलवायु वित्त पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में उन्होंने कहा, स्पष्ट रूप से, विकसित देश, विकासशील दुनिया को जिस तरह का प्रीमियम देने पर विचार कर रहे हैं, वह कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था नहीं हो सकती है। इसे उससे कहीं अधिक सकारात्मक होना चाहिए।

यूरोपीय संघ का कार्बन कर भारतीय निर्यातकों की लाभप्रदता को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि भारत के लिए यूरोप शीर्ष आयात गंतव्यों में से एक है। यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल व्यापार 2022-23 में 134.71 अरब डॉलर रहा है।

विस अध्यक्ष ने अजित पवार समूह को असली राकांपा करार दिया, दोनों खेमों की अयोग्यता याचिकाएं खारिज

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विस अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि अजित पवार की अगुवाई वाला समूह उस समय असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) था, जब पार्टी में जुलाई 2023 में दो गुट उभरे थे, और अजित तथा शरद पवार नीत खेमों की अयोग्यता याचिकाएं खारिज कर दीं। नार्वेकर ने फैसले में कहा, (विधायकों की) अयोग्यता का अनुरोध करने वाली सभी याचिकाएं खारिज की जाती हैं। अजित पवार के अपने समर्थकों के साथ जुलाई 2023 में महाराष्ट्र की शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल होने और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अयोग्यता याचिकाएं शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार नीत प्रतिद्वंद्वी खेमों ने दायर की थीं। नार्वेकर ने फैसले में कहा कि पार्टी संस्थापक शरद पवार के फैसलों पर सवाल उठाना या उनकी इच्छा की अवहेलना करना दल-बदल नहीं है बल्कि यह केवल एक आंतरिक असहमति है।

नेकां नेता और पूर्व मंत्री मुश्ताक अहमद शाह बुखारी भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के पूर्व नेता मुश्ताक अहमद शाह बुखारी बृहस्पतिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। देश में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बुखारी का भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए काफी अहम माना जा रहा है। बुखारी ने पहाड़ी भाषी लोगों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के साथ बहस के बाद फरवरी 2022 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। बुखारी पुंछ जिले के सुरनकोट से दो बार विधायक रहे हैं।

भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुखारी के अलावा पूर्व नौकरशाह जी एम ख्वाजा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शब्बीर गिलानी और उनके सैकड़ों समर्थकों का पार्टी में स्वागत किया।

बुखारी ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने उस पार्टी में शामिल होने का अपना वादा निभाया है जो अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की हमारी लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करेगी। मैं उन पहाड़ियों के साथ न्याय करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रैना का आभारी हूं, जिन्होंने एसटी दर्जे के लिए 40 वर्षों तक संघर्ष किया है। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जनजातियों की सूची में चार समुदायों - गड्डा ब्राह्मण, कोली, पद्दारी जनजाति और पहाड़ी जातीय समूह को शामिल किया है। इस अवसर पर रैना ने कहा, बुखारी न केवल एक राजनीतिक दिग्गज हैं, बल्कि एक आध्यात्मिक व्यक्तित्व भी हैं, जिनका जम्मू और कश्मीर दोनों में अपने समुदाय के लोगों पर बहुत प्रभाव है। उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी जमीनी स्तर पर और मजबूत होगी।

छत्तीसगढ़ में गत दो महीने के दौरान 54 नक्सली घटनाएं, आठ जवान हुए शहीद : शर्मा

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में पिछले दो महीनों के दौरान 54 नक्सली घटनाओं में सुरक्षाबलों के कुल आठ जवान शहीद हुए हैं तथा 53 जवान घायल हुए हैं। विधानसभा में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान आठ नक्सली भी मारे गए हैं। राज्य के गृह विभाग भी संभाल रहे शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत के सवाल के लिखित जवाब में बताया कि एक दिसंबर 2023 से 31 जनवरी 2024 तक राज्य में 54 नक्सली घटनाएं और नक्सलियों के साथ मुठभेड़ की घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षाबल के सात जवान तथा एक 'गोपनीय सैनिक' शहीद हुआ है। इस दौरान 53 जवान घायल हुए तथा आठ नक्सली भी मारे गए हैं।

शर्मा ने बताया कि इस दौरान हुए नक्सली घटनाओं में सुकमा जिले में चार जवान शहीद हुए हैं तथा 25 जवान घायल हुए हैं। वहीं बीजापुर जिले में दो जवान शहीद हुए हैं तथा 21 जवान घायल हुए हैं। जिले में मुठभेड़ में चार नक्सली भी मारे गए हैं। इसी तरह दंतेवाड़ा जिले में छह जवान घायल हुए हैं तथा जवानों ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया है। राज्य के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में मुठभेड़ में एक जवान की मृत्यु हुई तथा एक अन्य घायल हुआ है।

लोस चुनाव 'अकेले' लड़ेगी नेशनल कॉन्फ्रेंस : अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर की सबसे बड़ी क्षेत्रीय पार्टी नेशनल कांफ्रेंस ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह आगामी लोकसभा चुनाव और केंद्र शासित प्रदेश में संभावित विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। पार्टी प्रमुख और लोकसभा सांसद फारूक अब्दुल्ला ने यहां यह घोषणा की। इसे विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के अलावा क्षेत्रीय गठजोड़ पीएजीडी के लिए एक झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, चुनाव होंगे और मुझे लगता है कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव एकसाथ होंगे। जहां तक सीटों के बंटवारे की बात है तो मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि नेशनल कांफ्रेंस अकेले चुनाव लड़ेगी। इसमें कोई दो राय नहीं है।

नेशनल कांफ्रेंस पिछले साल गठित इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन का हिस्सा रही है और इसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), राष्ट्रीय जनता दल, शिवसेना (यूबीटी), तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम और वामपंथी दल शामिल हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक कल से, 11,500 प्रतिनिधि भाग लेंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक शनिवार को यहां स्थित भारत मंडपम में शुरू होगी, जिसमें देश भर के करीब 11,500 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिनिधियों में देश भर से पार्टी के पदाधिकारी, वर्तमान और पूर्व सांसद, विधायक और निर्वाचित महापौर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इसका एक व्यापक संगठनात्मक एजेंडा होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all
Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) /
KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience
those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

पीएसीएल के लगभग 21 लाख निवेशकों को मिल चुका है उनका पैसा : सेबी

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पीएसीएल की गैरकानूनी निवेश योजनाओं में 19,000 रुपए तक के दावे करने वाले लगभग 21 लाख निवेशकों को रिफंड के तौर पर अब तक 1,022 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी जांच में पाया था कि कृषि और रियल एस्टेट कारोबार के नाम पर निवेशकों से पैसे जुटाने वाली पीएसीएल ने गैरकानूनी सामूहिक निवेश योजनाओं के जरिये 60,000 करोड़ रुपए से अधिक एकत्र किए थे। इन निवेशकों को उनके फंसे हुए पैसे लौटाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर एम लोढ़ा की अध्यक्षता वाली एक समिति ने रिफंड प्रक्रिया शुरू की थी। सेबी ने बयान में कहा कि अभी तक लोढ़ा समिति ने 19,000 रुपए तक की बकाया (मूलधन) राशि वाले कुल 20,84,635 पात्र आवेदनों के संबंध में सफलतापूर्वक रिफंड कर दिया है। यह राशि कुल मिलाकर 1,021.84 करोड़ रुपए है। सेबी ने दिसंबर, 2015 में निवेशकों का पैसा न लौटाने पर पीएसीएल और उसके नौ प्रवर्तकों एवं निदेशकों की सभी संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था।

स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते लोस चुनाव नहीं लड़ूंगी : सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली की जनता के नाम एक भावुक पत्र लिखकर कहा है कि वह स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता का आभार जताया और कहा कि वह भले ही सीधे तौर पर उनका प्रतिनिधित्व न करें, लेकिन उनका मन-प्राण सदा वहां की जनता के साथ रहेगा।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने यह उम्मीद भी जताई की रायबरेली के लोग हर मुश्किल में उन्हें और उनके परिवार को वैसे ही संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं। सोनिया गांधी ने बुधवार को राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से नामांकन दाखिल किया। पहली बार वह उच्च सदन में जा रही हैं। वह 1999 से लोकसभा की सदस्य हैं और 2004 से रायबरेली का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रही हैं। पत्र में उन्होंने कहा, मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है। वह रायबेरली आकर, आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। यह नेह-नाता बहुत पुराना है और अपनी ससुराल से मुझे शगुन की तरह मिला है।

सोनिया गांधी ने कहा, रायबरेली के साथ हमारे परिवार के रिश्तों की जड़े बहुत गहरी हैं। आजादी के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में आप लोगों ने मेरे ससुर फिरोज गांधी को जिताकर दिल्ली भेजा था। उनके बाद मेरी सास इंदिरा गांधी जी को आपने अपना बना लिया। तब से अब तक यह सिलसिला जिंदगी के उतार-चढ़ाव और मुश्किल भरी राह पर प्यार और जोश के साथ आगे बढ़ता गया तथा इस पर हमारी आस्था मजबूत होती चली गई।

उनका कहना था, इसी रौशन रास्ते पर आपने मुझे भी चलने की जगह दी। सास और जीवनसाथी को हमेशा के लिए खोकर मैं आपके पास आई और आपने अपना आंचल मेरे लिए फैला दिया। पिछले दो चुनाव में विषम परिस्थितियों में भी आप एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे, मैं यह कभी भूल नहीं सकती। उन्होंने कहा, यह कहते हुए मुझे गर्व है कि आज मैं जो कुछ भी हूं, आपकी बदौलत हूं और मैंने इस भरोसे को निभाने की हरदम कोशिश की है। सोनिया गांधी ने कहा, अब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते मैं अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगी। इस निर्णय के बाद मुझे आपकी सीधी सेवा का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन यह तय है कि मेरा मन-प्राण हमेशा आपके पास रहेगा। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि आप हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे ही संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं।

डी. कुपेंद्र रेड्डी ने राज्यसभा चुनाव के लिए जनता दल (एस) पार्टी के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन ने गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल किया।

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार नारायणसा बांगडे ने गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल किया।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा-जद(एस) के दूसरा उम्मीदवार उतारने से मुकाबला हुआ रोचक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) गठबंधन द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए दूसरा उम्मीदवार मैदान में उतारने के बाद मुकाबला रोचक हो गया है क्योंकि गठबंधन संख्याबल के अनुसार चार में से केवल एक सीट पर ही जीत दर्ज कर सकता है। राज्यसभा की द्विवार्षिक चुनाव के तहत कर्नाटक की चार सीट पर 27 फरवरी को चुनाव होना है जिसके लिए विधानसभा सदस्य मतदान करेंगे।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 सदस्य हैं। पार्टी को सर्वोदया कर्नाटक पक्ष के दर्शन पुत्तनियाह के साथ-साथ दो निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी प्राप्त है जिनके बल पर वह तीन सीट पर अपना कब्जा बरकरार रख सकती है। वहीं, भाजपा और जद(एस) के क्रमश: 66 और 19 सदस्य हैं और वे केवल एक सीट जीतने की स्थिति में है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि चार उम्मीदवारों के मैदान में रहने की स्थिति में प्रत्येक को जीतने के लिए 45-45 विधायकों का समर्थन चाहिए लेकिन अधिक उम्मीदवार होने पर प्राथमिकता आधारित मतों की गिनती होगी।

कांग्रेस ने अजय माकन, एस नसीर हुसैन और जी.सी.चंद्रशेखर को पार्टी उम्मीदवार बनाया है और सभी ने बृहस्पतिवार को अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर उनके साथ मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव व राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरेजवाला भी थे। भाजपा के उम्मीदवार और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नारायणसा बांगडे ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.वाई.विजयेंद्र, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक और अन्य पार्टी नेता मौजूद थे। उनके साथ जद (एस) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी.कुमारस्वामी भी थे। एक आश्चर्यजनक कदम के तहत जद(एस) नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य डी.कुपेंद्र रेड्डी ने भी बृहस्पतिवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी के साथ राज्य से चार राज्यसभा सदस्यों का चुनाव करने के लिए मतदान तय हो गया। नामांकन पत्र दाखिल करते समय रेड्डी के साथ कुमारस्वामी, विजयेंद्र और अशोक थे। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर, कांग्रेस के चंद्रशेखर और एल.हनुमंय्या और हुसैन का दो अप्रैल को राज्यसभा का छह वर्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद चुनाव आवश्यक हो गया है।

राज्यसभा चुनाव में कुपेन्द्र रेड्डी भी एक उम्मीदवार : विजयेन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कुपेंद्र रेड्डी ने गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि कुपेंद्र रेड्डी के नामांकन पत्र दाखिल करने का साफ मतलब है कि जेडीएस की रणनीतियां बनी रहेंगी। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस पार्टी के एनडीए ग्रुप में शामिल होने के बाद हम कोई भी संघर्ष और निर्णय मिलजुल कर ले रहे हैं। कल, हमारे केंद्रीय नेताओं और जेडीएस के राज्य नेताओं ने चर्चा की और बताया कि उन्होंने कुपेंद्र रेड्डी को राज्यसभा के लिए पांचवें उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में बीजेपी-जेडीएस मिलकर हमारे उम्मीदवार को जिताने की रणनीति बनाएंगे। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि हम आवश्यक अतिरिक्त वोटों पर चर्चा करेंगे। वे खुद जानते हैं कि बजट के जरिए वे मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से क्या उम्मीद कर सकते हैं। राज्य सरकार का खजाना खाली पड़ा हुआ है राज्य में कोई विकास कार्य हो नहीं रहा है, अपनी विफलता को छिपाने के लिए कांग्रेस ने दिल्ली जाकर नाटक किया था। सिद्दरामैया कल जो बजट पेश करेंगे, उसके बारे में लोगों को कोई उम्मीद नहीं है।

कांग्रेस पार्टी चुनाव के दौरान कई झूठ बोलकर सत्ता में आई और लोगों का विश्वास जीता। लोकसभा चुनाव के दौरान कई रणनीतियां अपनाई जा रही हैं। लोकसभा चुनाव जीतने के लिए वे अपनी रणनीति से राज्य की जनता के कानों में फूल लगाने का काम कर रही है, लेकिन, इस बार उन्हें सफलता नहीं मिल पायेगी। लोग जागरूक हैं।

राज्यसभा चुनाव : 7 उम्मीदवारों द्वारा 18 नामांकन दाखिल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के आखिरी दिन गुरुवार को 6 उम्मीदवारों द्वारा कुल 17 नामांकन पत्र जमा किए गए हैं।

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नारायणसा के भंडगे के पास दो नामांकन पत्र हैं, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अजय माकन के पास चार नामांकन पत्र हैं। जी.सी. चंद्रशेखर ने चार नामांकन पत्र दाखिल किए हैं और नसीर हुसैन ने चार नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। जनता दल (एस) पार्टी के उम्मीदवार डी. कुपेंद्र रेड्डी ने चार नामांकन पत्र दाखिल किए हैं और गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में मल्लिकार्जुन केंगनूर ने एक नामांकन पत्र दाखिल किया है। एक गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में, डॉ. के. पद्मराजन ने 8 फरवरी को नामांकन दाखिल किया था।

राज्यसभा चुनाव के लिए 7 उम्मीदवारों ने कुल 18 नामांकन पत्र जमा किए हैं। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को होगी और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 20 फरवरी है।

'डायसिस ऑफ मंगलूरु' ने सेंट गेरोसा स्कूल मुद्दे पर न्याय की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। 'डायसिस ऑफ मंगलूरु' ने शहर के एक स्कूल से कथित तौर पर हिंदू विरोधी टिप्पणी के लिए बर्खास्त की गयी शिक्षिका के मामले से जुड़ी हालिया घटनाओं की अल्पसंख्यक कल्याण, बाल कल्याण और महिला आयोग जैसे विभागों से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। 'डायसिस ऑफ मंगलूरु' ने बुधवार देर रात एक बयान जारी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक वेदव्यास कामत द्वारा महिला शिक्षिका के खिलाफ लगाए गये आरोप झूठे हैं। कामत ने ही शिक्षिका से तत्काल माफी की मांग करते हुए सेंट गेरोसा विद्यालय में विरोध-प्रदर्शन की अगुवाई की थी। घटनाक्रम का जिक्र करते हुए 'डायसिस ऑफ मंगलूरु' ने कहा कि इस मामले की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिये दो ऑडियो संदेशों के प्रसारित होने से हुई, जिसमें अंग्रेजी की शिक्षिका सिस्टर प्रभा पर एक कक्षा के दौरान हिंदू धार्मिक प्रथाओं और राजनीतिक नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया।

संस्था ने कहा कि सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित होने के बाद चार अभिभावकों ने प्रधानाध्यापिका से संपर्क किया और उन्होंने सच्चाई सामने लाने के लिए गहन जांच का आश्वासन दिया। बयान के अनुसार, इसके बाद 10 फरवरी को लोगों का एक समूह स्कूल के आसपास इकट्ठा हुआ। प्रधानाध्यापिका ने उन्हें आश्वासन दिया कि मामले को सुलझाने के लिए उचित जांच की जाएगी। आश्वासन के बाद 12 फरवरी को स्थिति उस समय बिगड़ गई, जब शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्कूल का दौरा किया। स्थानीय विधायक वेदव्यास कामत ने निष्पक्ष जांच की संवैधानिक प्रक्रिया की 'उपेक्षा' का आरोप लगाते हुए स्कूल में विरोध प्रदर्शन किया।

'डायसिस' ने बयान में आरोप लगाया कि विधायक ने तत्काल माफी मांगने और अंग्रेजी की शिक्षिका को निलंबित करने पर जोर दिया और महिला कर्मचारियों को परेशान करना शुरू कर दिया, जिससे शत्रुता का माहौल बन गया। बयान में आरोप लगाया गया कि जब बच्चे परिसर से बाहर जा रहे थे तो विधायक ने उन्हें धार्मिक श्लोक बोलने और शिक्षिका के खिलाफ नारे लगाने के लिए भी प्रेरित किया। बयान के मुताबिक, दबाव में आकर स्कूल प्रबंधन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने और छात्र समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षिका को जांच लंबित रहने तक पद से हटा दिया।

'डायसिस' ने अधिकारियों से अंग्रेजी की शिक्षिका के खिलाफ लगाए गये झूठे आरोपों की जांच करने व एक शिक्षिका तथा एक महिला के रूप में उसकी गरिमा की रक्षा करने और सभी संबंधित विभागों से अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों के हितों की रक्षा करने का अनुरोध किया। वहीं राज्य सरकार ने कथित रूप से हिंदू विरोधी टिप्पणी के मामले में दक्षिण कन्नड़ जिले में शिक्षा विभाग के उपनिदेशक (डीडीपीआई) डी. रामचंद्र नाइक का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, डी. रामचंद्र नाइक को बेलगावी के एक सरकारी शिक्षक महाविद्यालय में व्याख्याता के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है। उनकी जगह वेंकटेश सुब्रैया पटागारा को पदस्थापित किया गया है, जो कलबुर्गी में स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त आयुक्त के कार्यालय में उप निदेशक (योजना) के रूप में कार्यरत हैं। सरकारी सूचना में बताया गया कि ये तबादले तत्काल प्रभाव से किए गए हैं।

भाजपा के दो विधायकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मंगलूरु में स्थित सेंट गेरोसा स्कूल के विद्यार्थियों को 'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए मजबूर करने और लोगों को कथित तौर पर उकसाने के आरोप में पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो विधायकों सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि मंगलूरु दक्षिण थाने में दर्ज प्राथमिकी में विधायक वेदव्यास कामत, वाई भरत शेट्टी, शहर के पार्षद संदीप गरोड़ी, भरत कुमार और बजरंग दल के नेता शरण पंपवेल को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों पर 12 फरवरी को विरोध-प्रदर्शन के दौरान ईसाई धर्म के खिलाफ नारे लगाकर ईसाई और हिंदू समुदायों के बीच दुश्मनी भड़काने का भी आरोप है। पुलिस ने बताया कि दक्षिण कन्नड़ जिले में सांप्रदायिक मुद्दों की संवेदनशीलता को देखते हुए इस तरह के कृत्यों से कानून-व्यवस्था संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। पुलिस के मुताबिक, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 143, 153ए, 295ए, 505(2), 506 और 149 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। 'सेंट गेरोसा इंग्लिश हायर प्राइमरी स्कूल' के प्रबंधन ने पुलिस को बताया कि कामत ने स्कूल प्रबंधन से बिना स्पष्टीकरण मांगे विद्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कामत पर विद्यार्थियों को 'जय श्री राम' बोलने के लिए मजबूर करने का भी आरोप है।

सभी पार्टियों में हमारे दोस्त हैं, हमें अंतरात्मा के भी वोट मिलते हैं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को विधानसौधा परिसर में मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पलटवार किया कि सभी पार्टियों में हमारे भी मित्र हैं। राज्यसभा चुनाव में हमारे उम्मीदवारों को अंतरात्मा के वोट भी मिलेंगे। जब उनसे कुपेन्द्र रेड्डी को राज्यसभा चुनाव में प्रतिस्पर्धा को लेकर सवाल किए गए तो उन्होंने कहा कि सभी पार्टियों में हमारे भी दोस्त हैं। क्योंकि जद (एस) विफल हो गई है, वे भाजपा के साथ गठबंधन कर रहे हैं। हमें उनकी पार्टियों से अंतरात्मा के वोट मिलने का भरोसा है।' बीजेपी और जेडीएस हमेशा खरीद-फरोख्त करते रहते हैं। इसके लिए वह काफी मशहूर हैं। आगामी 27 फरवरी को सब पता चल जायेगा। जेडीएस बीजेपी के बेहद करीब होने का अनुमान लगा रहे हैं, देखते हैं उन्हें बीजेपी के कितने वोट मिलेंगे।'' जब उनसे पूछा गया कि आप उन पार्टियों से कितने अंतरात्मा के वोट पा सकते हैं, तो उन्होंने कहा, हम आपको चुनाव के बाद बताएंगे।

जब उनसे गठबंधन द्वारा पांचवें उम्मीदवार को मैदान में उतारने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'उन्हें अपना प्रयास करने दीजिए। हम एकता की अपनी राजनीति करेंगे।'

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया है। हमारी पार्टी की ओर से राज्यसभा के लिए तीन उम्मीदवार उतारे गए हैं। मुझे विश्वास है कि वह राज्य की ओर से राज्यसभा में अपनी आवाज उठाएंगे।

अगर राज्य केंद्र से मिलने वाले फंड पर राजनीति करने की कोशिश करेगा तो उसे नुकसान होगा : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि केंद्र सरकार से कर्नाटक को मिलने वाले फंड के बारे में जमीनी हकीकत पर निष्पक्ष बहस करना फायदेमंद होगा अन्यथा राजनीति का मिश्रण राज्य के हित के लिए हानिकारक होगा।

गुरुवार को यहां राज्य विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए बोम्मई ने कहा कि 15वें वित्त आयोग की रिपोर्ट गति में है लेकिन वे जटिल स्थिति में हैं। अब सब कुछ ख़त्म हो चुका था क्योंकि आयोग का कार्यकाल 2026 तक था।

ऐसे में दिल्ली जाकर विरोध प्रदर्शन करना मामले का राजनीतिकरण करने के अलावा कुछ नहीं था। अगर राज्य के साथ अन्याय हुआ है तो उन्हें मिल बैठकर केंद्र से फंड मांगना चाहिए। ऐसा करने के बजाय, शेख मोहम्मद के गणित में यह बात करने से कोई फायदा नहीं हुआ कि राज्य को 1.87 करोड़ रुपये मिलने चाहिए थे।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अपर भद्रा परियोजना के लिए अपने बजट में 5300 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है और उन्हें इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि वह पैसा कैसे प्राप्त किया जाए। वैसे भी 16वां वित्त आयोग जल्द ही आएगा और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि कर्नाटक के साथ अन्याय न हो। केंद्र सरकार से धन लाने में जितनी जिम्मेदारी सत्तारूढ़ दल की है, उतनी ही विपक्षी दल की भी है। राज्य के लिए न्याय की तलाश में दोनों को एक साथ हाथ मिलाना चाहिए।

गुरु शिष्य का रिश्ता अटूट होता है : सभापति बसवराज होरट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लम्बे समय से चला आ रहा गुरु-शिष्य का रिश्ता हाल ही के समय में कम होता जा रहा है। लेकिन इसके अपवाद के रूप में विधानपरिषद के सभा अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने गुरु शिष्य की विरासत की पवित्रता बनाए रखी है। उन्होंने अपनी गुरु माता और अपने साथी छात्रों के साथ गत पांच दशकों के पूर्व की यादों को साझा किया। जो कि आज के छात्र समुदाय के लिए एक आदर्श है।

बसवराज होरट्टी ने 50 वर्षों के बाद 93 वर्ष की आयु की प्रोफेसर शकुंतला मैडम से मुलाकात की जिन्होंने उन्हें उचित मार्गदर्शन और उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान की। जब बसवराज होरट्टी मूल रूप से एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक, स्नातक डिग्री और मास्टर डिग्री (बीपीएड) के लिए वर्ष 1972-73 में अध्ययनरत थे। बेंगलूरु में सरकारी कॉलेज ऑफ फिजिकल एज्युकेशन में पढाई के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय और कॉलेज में उन दिनों की पढ़ाई, प्रशिक्षण, पाठ्येतर गतिविधियों और अन्य विषयों के बारे में अपनी डायरी से निकले विचारों को साझा किया। सभापति ने अपने वरिष्ठ गुरु को देखने के लिए सौभाग्यशाली मनाते हुए आभार व्यक्त किया। आज के युग में जब गुरु शिष्य परंपरा लुप्त हो रही है, उन्होंने एक महत्वपूर्ण प्रसंग देखा जो आज के युवाओं को बताता है कि छात्रों को अपने गुरु के साथ पवित्र रिश्ते का महत्व क्या होना चाहिए। आज की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों के रिश्ते की बहुत आवश्यकता है। आज भी, जो चले गए उन्होंने अपने बचपन के दोस्तों और गृहनगर संबंधों को नहीं खोया है। हालाँकि यह 5 दशकों से बेंगलूरु से जुड़ी हुई है, लेकिन यह बीजापुर की वही जावरी भाषा में बोलती हैं।

इस दुर्लभ अवसर पर सभापति के सहपाठी श्रीमती गिरिजा, एक अन्य सहपाठी कलाकार शंकर तथा प्रिय मित्र एवं सहपाठी आर.ए.देसाई उपस्थित थे।

स्वागत

बेलगावी नगर निगम (बीसीसी) की नवनिर्वाचित मेयर सविता कांबले और डिप्टी मेयर आनंद चौहान का गुरुवार को सांसद मंगला अंगड़ी, विधायक अभय पाटिल, पूर्व मंत्री मुरुगेश निरान्नी ने स्वागत करते हुए।

चिंता की कोई बात नहीं, नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुआ : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 'नियमित जांच' के लिए अस्पताल में भर्ती हुए हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। जनता दल (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेगौड़ा (90) ने कहा कि वह जल्द घर लौटेंगे।

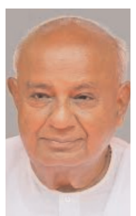

देवेगौड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मुझे पता चला है कि समाचार चैनलों पर मेरे स्वास्थ्य को लेकर कुछ खबरें आ रही हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं अस्पताल में केवल नियमित जांच के लिए आया हूं। मैं घर जल्द लौटूंगा। चिंता की कोई बात नहीं है। देवेगौड़ा पिछले कुछ समय से घुटनों के दर्द और उम्र संबंधी समस्याओं से ग्रस्त हैं। पिछले साल भी देवेगौड़ा को यहां के एक अस्पताल में 'नियमित जांच' के लिए भर्ती कराया गया था।

बेटी की आपत्तिजनक तस्वीरें भेजकर बदमाशों ने किया महिला को फोन, मांगी रंगदारी

बेंगलूरु। बेंगलूरु जेल में बंद दो उपद्रवियों ने एक महिला को उसकी बेटी की नग्न तस्वीरें भेजकर उससे पैसे की मांग की है। इतना ही नहीं, पैसे नहीं देने पर उपद्रवियों ने इन नग्न तस्वीरों को उसके दामाद को भेजने की धमकी दी है। मामले में येलहंका न्यू टाउन थाने केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच सेंट्रल सिटी क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही है। बता दें कि पैसे की मांग मनोज उर्फ केंचा और उसके साथी कार्तिक द्वारा फोन करके की गई थी। दोनों हिस्ट्रीशीटर बेंगलूरु के परप्पाना अग्रहारा की सेंट्रल जेल में बंद हैं। मनोज के साथी कार्तिक ने 9 फरवरी को पीड़िता को वाट्सएप कॉल किया था। उसने फोन करके खुद को मनोज का साथी बताया था। इसके बाद उसने धमकी दी थी कि अगर उसने पांच लाख रुपए नहीं दिए, तो उसकी बेटी की नग्न तस्वीरें उसके दामाद को भेज देगा।

मनोज ने 12 फरवरी को जेल से पीड़िता को फोन कर पैसे देने के लिए फिर धमकी दी थी। पीड़ित द्वारा शिकायत किए जाने के बाद सीसीबी पुलिस आरोपी मनोज के हिरासत की मांग कर रही है। पीड़िता से अब तक आरोपी 40 हजार रुपए ले चुके हैं। वहीं, आईटी अधिनियम की धारा 67, आईपीसी की धारा 34 और 384 के प्रावधानों के तहत शिकायत दर्ज की जा चुकी है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

केनरा बैंक ने 2,000 करोड़ रुपए जुटाए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने बेसल 3-अनुपालक अतिरिक्त टियर1 (एटी1) बॉण्ड श्रृंखला 2 के माध्यम से 8.40 प्रतिशत प्रतिवर्ष की कूपन दर पर सफलतापूर्वक 2,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 2,000 करोड़ रुपए के इश्यू के मुकाबले 2,432 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं। बैंक के एटी1 बॉण्ड को क्रिसिल रेटिंग और आईसीआरए लिमिटेड द्वारा एए प्लस / रेटिंग दी गई है।

सिद्दरामैया ने किसानों को रिहा करने का अनुरोध किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को मध्य प्रदेश के अपने समकक्ष मोहन यादव से आंदोलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी जाते समय भोपाल में हिरासत में लिए गए राज्य के किसानों को रिहा करने का अनुरोध किया। यादव को लिखे एक पत्र में कहा कि विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए बेंगलूरु से दिल्ली जा रहे कर्नाटक के किसानों के एक समूह को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बिना किसी कारण के हिरासत में लिया गया है।

इसरो ने की स्कूली बच्चों के लिए युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम-2024 की घोषणा

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की है कि स्कूली बच्चों के लिए उसके 2024 के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम' की पंजीकरण प्रक्रिया 20 फरवरी से शुरू होगी। इसरो के इस कार्यक्रम को 'युवा विज्ञान कार्यक्रम' (युविका) कहा जाता है जिसका उद्देश्य युवा छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में बुनियादी ज्ञान और उभरते अवसर प्रदान करना है। अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''युवा विज्ञान कार्यक्रम (युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम) - 2024 की घोषणा कर दी गई है। इसके लिए (केवल एक जनवरी, 2024 तक के) नौवीं कक्षा के भारतीय विधार्थी आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण 20 फरवरी, 2024 से शुरू होगा।'' दो सप्ताह के इस आवासीय कार्यक्रम के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 मार्च है।

महिला ने चलती ट्रेन से नदी में कूदकर दी अपनी जान

मंगलूरु। कर्नाटक में 27 वर्षीय एक महिला ने बृहस्पतिवार को सुबह चलती ट्रेन से नेत्रावती नदी में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

आज अयोध्या दुनिया का बड़ा सांस्कृतिक केंद्र : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा जयपुर सहित सात संभागों से अयोध्या जाने वाली रोडवेज बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर राज्य सरकार ने यह घोषणा की थी कि अयोध्या के लिए हवाई सेवा तथा राज्य के सात संभागों से बस सेवा प्रारंभ की जाएगी। इसी क्रम में अयोध्या के लिए हवाई सेवा शुरू किए जाने के बाद आज जयपुर सहित सात संभागों से अयोध्या के लिए बस सेवा भी शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं तथा वे करोड़ों भारतीयों की आस्था के केंद्र हैं। आज अयोध्या दुनिया का बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बन चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश से अयोध्याधाम जाने वाले सभी यात्रियों का पंजीकरण किया जाए तथा यात्रियों के लिए सभी माकूल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारी नियुक्त करें, जिससे दर्शनार्थियों को किसी भी तरह की समस्या ना हो।

शर्मा ने विधिवत मंत्रोच्चार और पूजन के बाद अयोध्याधाम जाने वाली बसों को रवाना किया। उन्होंने सभी यात्रियों को गंगाजल, सुंदरकांड, रामरक्षा स्रोत सहित खाद्य सामग्री के किट वितरित किए और तिलक लगाकर यात्रियों को मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद सी.पी. जोशी, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुन्दाचार्य, जितेन्द्र गोठवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन श्रीमती श्रेया गुहा, प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम नथमल डिडेल सहित विभागीय अधिकारीगण तथा आमजन उपस्थित थे।

चातुर्मास विहार पर जैन संतों के लिए हो उत्तम व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के संकल्प पत्र तथा 100 दिवसीय कार्य योजना के कार्य बिंदु में जैन समुदाय के साधुसाध्वियों के चातुर्मास विहार के दौरान पुलिस सुरक्षा प्रदान करने, प्रयुक्त रूट का चिन्हीकरण एवं भूमि व भवन आवंटन संबंधी मुद्दों पर परामर्श के लिए जैन समुदाय के प्रबुद्धजनों की बैठक का आयोजन बुधवार को अल्पसंख्यक मामलात निदेशालय में किया गया। निदेशक श्रीमती नलिनी कठोतिया ने बताया कि बैठक में मौजूद जैन समुदाय के प्रबुद्धजनों ने जैन साधुसाध्वियों के चातुर्मास, विहार व प्रवचन के दौरान प्रयुक्त रूट, प्रमुख स्थानों एवं इनसे संबंधित रूट का चिन्हीकरण आदि पर गंभीर चर्चा की । श्रीमती नलिनी ने जैन समुदाय की प्रमुख समस्याओं को सूचीबद्ध किया एवं बैठक में पधारे प्रबुद्धजनों को विभाग द्वारा पूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्त किया। इसके साथ ही बहुमूल्य सुझाव-विचार भविष्य में भी विभाग से साझा करते रहने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है की विभाग द्वारा चातुर्मास विहार को लेकर सभी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों द्वारा भी कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस बैठक में जैन समाज के प्रबुद्धजन व विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सर्विस रिवॉल्वर से दुर्घटनावश चली गोली से कांस्टेबल की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में एक कांस्टेबल की अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर दुर्घटनावश चली गोली लगने से मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल उस समय छापेमारी की कार्रवाई में हिस्सा लेने के लिए मालखाने से रिवॉल्वर निकाल रहा था। उन्होंने बताया कि मृतक कांस्टेबल हरकिशन ढाका (40) पिछले चार साल से रामगढ़ सेठान थाने में तैनात था।

रामगढ़ थानाधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि घटना उस समय घटित हुई जब कांस्टेबल आज सुबह छापेमारी के लिये जाने वाला था। वह मालखाने से सर्विस रिवॉल्वर निकाल रहा था उस दौरान गलती से उसने खुद को गोली मार ली।पुलिस अधिकारी ने इसे आत्महत्या का मामला मानने से इनकार किया है। उन्होंने बताया कि गोली की आवाज सुनकर दूसरा कांस्टेबल दौड़ा और उसने हरकिशन को फर्श पर मृत पाया।

भाजपा के गरासिया और मदन राठौड़ ने राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट के लिए होने वाले चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ ने बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल किये। दोनों उम्मीदवारों ने रिटर्निंग ऑफिसर महावीर प्रसाद शर्मा के समक्ष नामांकन पत्र के दो-दो सेट प्रस्तुत किये। गरासिया द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करते समय उनके साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, सांसद सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ मौजूद थे।

मदन राठौड़ द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करते समय उनके साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व उपमुख्यमंत्री प्रेम चन्द बैरवा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मौजूद थीं। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर महावीर प्रसाद शर्मा ने दोनों उम्मीदवारों को शपथ दिलायी। उल्लेखनीय है राज्यसभा चुनाव 2024 के लिए राज्य में तीन सीट के लिए हो रहे चुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करने की बृहस्पतिवार को अंतिम दिन तक तीन उम्मीदवारों ने ही नामांकन पत्र प्रस्तुत किए हैं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार को राजस्थान से चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ को उम्मीदवार घोषित किया था। गरासिया राज्य सरकार के पूर्व मंत्री हैं जबकि राठौड़ पूर्व विधायक हैं। मदन राठौड़ पाली की सुमेरपुर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे हैं। वह वर्ष 2003 में पहली बार विधायक बने थे। वह वर्ष 2013 में दूसरी बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे थे।

वर्ष 2013 से 2018 तक वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में वह उप मुख्य सचेतक थे। चुन्नीलाल गरासिया पूर्व मंत्री और संगठन में कई पदों पर रहे हैं। गरासिया वर्तमान में राजस्थान भाजपा के उपाध्यक्ष हैं। राजस्थान में तीन राज्यसभा सीट के लिये नामांकन का आज अंतिम दिन है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को होगी, जबकि उम्मीदवार 20 फरवरी तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। राजस्थान से राज्यसभा सदस्य डॉ. मनमोहन सिंह (कांग्रेस) और भूपेन्द्र सिंह (भाजपा) का कार्यकाल तीन अप्रैल को समाप्त हो रहा है।

एक रिक्त सीट पर भी चुनाव होना है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने विधायक चुने जाने के बाद दिसंबर में सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था। 200 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 115 और कांग्रेस के 70 सदस्य हैं। मुकाबले की स्थिति में एक सीट जीतने के लिए कम से कम 67 वोट की आवश्यकता होगी। राजस्थान में राज्यसभा की 10 सीट हैं। वर्तमान में कांग्रेस के छह और भाजपा के तीन सदस्य हैं, एक सीट फिलहाल रिक्त है।

सूर्य नमस्कार समस्त योगों का सार है : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ''सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शरीर एवं मन स्वस्थ रहता है। सद्विचार आते हैं और विकार दूर भागते हैं। जब मन में अच्छे विचारों का उद्गम होता है तो विकारों के लिए कोई जगह नहीं होती। इससे जीवन में किसी प्रकार की न्यूनता नहीं होगी और हम लगातार आगे बढ़ते जाएंगे।'' यह बात शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को जयपुर के चौगान स्टेडियम में प्रदेशभर के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में 'सूर्य नमस्कार' के सामूहिक अभ्यास के सिलसिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री दिलावर और माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी सहित कई गणमान्य लोगों ने विद्यार्थियों के बीच सामूहिक रूप से 'सूर्य नमस्कार' किया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर योग के महत्व को स्थापित किया है। उनकी पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रतिवर्ष 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसकी बदौलत विश्व के 100 से अधिक देशों ने योग को अपनाया है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार समस्त योगों का सार और सर्वांग योग है, जो व्यक्ति नियमित तौर पर इसका पर्याप्त अभ्यास करते हैं, उनको किसी अन्य योग की जरूरत नहीं होती। इसके माध्यम से दैहिक, आत्मिक और बौद्धिक विकारों से मुक्ति पाकर जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है।

दिलावर ने कहा कि भगवान सूर्य हमें ऊर्जा और उष्णता प्रदान करते हैं। सूर्य के बिना जीवन बहुत मुश्किल है। ऐसे में हम सभी की यह ड्यूटी बनती है कि हम उनकी आराधना करें। इसी उद्देश्य से आज प्रदेशभर के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में 'सूर्य नमस्कार' के सामूहिक अभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सूर्य सप्तमी के बाद भी स्कूलों में प्रतिदिन प्रार्थना सभा में सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जाएगा। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रदेश के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं प्रबुद्ध नागरिकों को बधाई देते हुए सभी के जीवन में भगवान सूर्य की कृपा से प्रगति और खुशहाली की मंगल कामना की। उन्होंने कहा कि वे भगवान सूर्य से प्रार्थना करते हैं कि सभी अपने जीवन में उन्नति और सफलता के शिखर छूएं।

कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने कहा कि सूर्य पृथ्वी पर सभी के लिए ऊर्जा का एकमात्र स्वरूप और स्रोत है। सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शरीर में बाल से नाखून तक सभी अंगों का व्यायाम होता है और स्वास्थ्य सम्बंधी दिक्कतों को दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ निरंजन आर्य ने 'सूर्य नमस्कार' का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक श्रीमती मंजू शर्मा सहित स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी, कार्मिक, शिक्षक, अभिभावक, जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन देवेन्द्र शर्मा ने किया।

अंगदान एवं प्रत्यारोण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला शपथ में राजस्थान अव्वल : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि राजस्थान भामाशाहों और दानदाताओं का प्रदेश है। दान करना यहां की संस्कृति में रचा-बसा है। विगत दिनों में जिस तरह से यहां अंगदान को लेकर जनचेतना बढ़ी है। अंगदान की शपथ लेने में राजस्थान देश में अव्वल है। अंगदान करने में भी राजस्थान को अव्वल बनाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। श्रीमती सिंह चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय अंगदान एवं प्रत्यारोपण आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक आयु के करीब 25 प्रतिशत नागरिकों ने अंगदान का संकल्प लिया है, जो एक रिकॉर्ड है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में अंगदान को लेकर आमजन में एक भावना पैदा हुई है। हमारा प्रयास होगा कि इस भावना को साकार रूप देकर अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाएं। प्रदेश में अंगदान हेतु बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया जा रहा है, ताकि अंगों की मांग और उपलब्धता के अंतर को न्यूनतम स्तर पर लाया जाए। हमारा यह भी प्रयास है कि अंगदान करने और प्रत्यारोण करवाने, दोनों की ही प्रक्रिया सरलतम हो। श्रीमती सिंह ने कहा कि राजस्थान किसी समय चिकित्सा की दृष्टि से बीमारू श्रेणी में था, लेकिन अब प्रदेश में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिबद्धता के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र को लेकर अब संसाधनों की कोई कमी नहीं है। प्रदेश में 7 प्रतिशत से अधिक बजट स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर खर्च किया जा रहा है। राजस्थान आज मातृ मृत्यु दर, नवजात मृत्यु दर, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सहित अन्य स्वास्थ्य मानकों को लेकर बेहतर स्थिति में है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए चिकित्सा संस्थानों का अभियान चलाकर निरीक्षण किया जा रहा है। विगत तीन सप्ताह में 2500 से अधिक निरीक्षण किए गए हैं।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त शिवप्रसाद नकाते ने कहा कि कुछ वर्षों पहले तक राजस्थान में अंगदान को लेकर जनचेतना नगण्य थी। अब स्थिति बदली है और लोग आगे आकर अंगदान के लिए संकल्प ले रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में अंगदान के लिए सुविधाएं विकसित कर रही है, ताकि अंगदान करने वालों की संख्या बढे। उन्होंने कहा कि अंगदान करने वाले तथा अंग प्राप्त करने वालों के बीच सूचनाओं का समुचित सम्प्रेषण करने के लिए तकनीक आधारित सिस्टम विकसित किए जाने की जरूरत है।

कांग्रेस किसानों के बंद का समर्थन करती है : डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि उनकी पार्टी किसानों के बंद के आह्वान का समर्थन करती है और पार्टी कार्यकर्ता किसानों के आंदोलन के साथ रहेंगे। डोटासरा ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचत में कहा, किसानों ने शुक्रवार को बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस पार्टी ने भी फैसला किया है कि हम किसानों के बंद का समर्थन करेंगे। कोई हिंसा नहीं हो, किसी राजकीय संपत्ति को नुकसान ना हो यह सुनिश्चित करते हुए हम सब लोग किसानों के आंदोलन के साथ रहेंगे।

डोटासरा ने किसान आंदोलन को लेकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार ने तीन काले कानून चंद उद्योगपति मित्रों के लिये बनाये थे।

उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि जब किसानों के हक से जुड़े न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानून बनाना बहुत जटिल है और इसमें बहुत समय लगता है, तो आपने किसानों पर थोपने के लिए तीन काले कानून किसके हित के लिये बनाये थे। उन्होंने कहा कि अब यह पूरी तरह से स्पष्ट होने लग गया है कि ये कानून केवल उन्होंने अपने चंद उद्योगपति मित्रों के फायदे के लिये बनाये थे ना कि किसानों के फायदे के लिये।

पर्यटकों के प्रति संवेदनशीलता से उचित व्यवहार किए जाने के लिए जागरूकता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी एवं प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ के निर्देशन में राज्य में पर्यटकों को विशेषकर महिला पर्यटकों को सम्मानजनक व सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने एवं पर्यटकों के प्रति संवेदनशीलता से उचित व्यवहार करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त निदेशक राष्ट्रदीप, उपनिदेशक पर्यटक सहायता बल (टैफ) नारायण बाजिया और प्रशासन व पुलिस के सहयोग से गुरुवार को अल्बर्ट हॉल एवं हवा महल पर गाइड्स व दुकानदारों को जागरूक किया गया। उन्होंने दुकानदारों, फुटकर सामान बेचने वालों एवं गाइड्स को पर्यटकों के साथ शालीनता से व्यवहार करने की सलाह दी।

अतिरिक्त निदेशक ने अल्बर्ट हॉल पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की सहायता के लिए साइन बोर्ड लगाए जाए। इस दौरान पर्यटकों को फीडबैक फॉर्म भी वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि राज्य के पर्यटक स्थलों पर वर्ष 2022 में 236 तथा वर्ष 2023 में 311 बिना लाइसेंस के गाइड का कार्य कर रहे लपकों के खिलाफ पर्यटन एक्ट 2010 की धारा 13(1)(2) में प्रस्तावित कानूनी कार्रवाई की गई। इसी प्रकार वर्ष 2024 में अब तक (14 फरवरी 2024 तक) 25 लपकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई हैं। जागरूकता के दौरान लपकों एवं टैम्पो ट्रेवलर इत्यादि पर पर्यटकों को परेशान करने की शिकायत पर कार्रवाई की गई।

दो छात्राओं को आत्महत्या करने से बचाया

कोटा। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो कोचिंग छात्राओं को समय रहते आत्महत्या करने से बचा लिया है। पुलिस अधीक्षक (शहर) शरद चौधरी ने बताया कि शहर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र के राजीव गांधी नगर स्थित एक छात्रावास से मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली 16 वर्षीय कोचिंग छात्रा के बुधवार को आत्महत्या के प्रयास करने की जानकारी मिली थी जिसके बारे में उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी वासुदेव सिंह को मौके पर भेजा।

उच्चतम न्यायालय का चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक ठहराने का फैसला 'ऐतिहासिक' : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि चुनावी बॉन्ड राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का एक बड़ा घोटाला है और इस चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक ठहराने का उच्चतम न्यायालय का 'ऐतिहासिक' फैसला एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड ने राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता को खत्म किया और सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सीधे लाभ पहुंचाया। गहलोत ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक ठहराने का उच्चतम न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक एवं स्वागतयोग्य है। चुनावी बॉन्ड ने भ्रष्टाचार को बढ़ाने का काम किया। इसने राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता को खत्म किया और सत्ताधारी पार्टी भाजपा को सीधे लाभ पहुंचाया।

उन्होंने कहा, मैंने बार-बार कहा कि चुनावी बॉन्ड आजाद भारत के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। आज उच्चतम न्यायालय के फैसले ने यह साबित कर दिया कि चुनावी बॉन्ड राजग सरकार का एक बड़ा घोटाला है। गहलोत ने कहा कि यह फैसला देर से आया पर देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए बेहद ही जरूरी फैसला है।

मुलाकात

जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान पुलिस सेवा परिषद के सदस्यों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से एसोसिएशन के अध्यक्ष रामनिवास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल की यह शिष्टाचार भेंट थी।

चंदे में पारदर्शिता के लिए चुनावी बॉन्ड योजना लाई गई थी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को चुनावी बॉन्ड योजना का बचाव करते हुए कहा कि इसका प्रामाणिक उद्देश्य चुनावी चंदे में पारदर्शिता लाना था। भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करती है। उच्चतम न्यायालय की ओर से एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द किए जाने के बाद केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी की यह टिप्पणी सामने आई।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यह संविधान प्रदत्त सूचना के अधिकार और बोलने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है। लोकसभा चुनाव से पहले आए इस फैसले में उच्चतम न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को छह वर्ष पुरानी योजना में दान देने वालों के नामों की जानकारी निर्वाचन आयोग को देने के निर्देश दिए।

उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान

शीर्ष अदालत की संविधान पीठ द्वारा फैसला सुनाए जाने का जिक्र करते हुए प्रसाद ने कहा कि फैसला सैकड़ों पृष्ठों का है और पार्टी द्वारा सुनियोजित जवाब देने से पहले व्यापक अध्ययन की जरूरत है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने चुनाव के लिए चंदे की व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए हैं और चुनावी बॉन्ड जारी करना इसी कदम का हिस्सा है।

चुनावी बॉन्ड को मोदी सरकार की 'काला धन सफेद करने की' योजना बताए जाने के कांग्रेस के आरोप पर उन्होंने विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि जिन दलों का 'डीएनए' भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर आधारित है, उन्हें भाजपा के खिलाफ ऐसे आरोप नहीं लगाने चाहिए।

चुनावी बॉन्ड द्वारा विपक्षी दलों को चुनाव में समान अवसर देने से वंचित करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कौन मैदान में है और कौन मैदान से बहार है, यह जनता तय करती है। उन्होंने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा कि लोगों ने कुछ पार्टियों को मैदान से बाहर कर दिया है और वे अब उन क्षेत्रों में एक भी सीट नहीं जीत सकते जो उनके गढ़ हुआ करते थे।

चुनावी बांड पर न्यायालय का फैसलाः अभी लंबी दूरी तय करनी है; पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों ने कहा

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एस. वाई. कुरैशी सहित कई पूर्व निर्वाचन आयुक्तों ने बृहस्पतिवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द करने वाला उच्चतम न्यायालय का फैसला 'लोकतंत्र के लिए एक बड़ा वरदान' है लेकिन अभी इस मामले में लंबा रास्ता तय करना बाकी है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय पीठ ने कहा कि चुनावी बॉण्ड योजना संविधान के तहत प्रदत्त सूचना के अधिकार और भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन करती है। न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक को निर्वाचन आयोग को राजनीतिक फंडिंग के लिए छह साल पुरानी योजना में चंदा देने वालों के नामों का खुलासा करने का भी आदेश दिया।

जून 2006 से अप्रैल 2009 तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे एन गोपालस्वामी ने कहा, चुनावी वित्तपोषण व्यवस्था की सफाई के लिए हमें अभी लंबी दूरी तय करनी है। उन्होंने कहा, एक प्रणाली जाती है, दूसरी आती है। यह व्यवस्था फिर से नकदी पर लौट जाएगी जो पहले व्याप्त थी। कुरैशी ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, इससे लोकतंत्र में लोगों का विश्वास बहाल होगा। यह सबसे बड़ी बात है जो हो सकती थी। यह पिछले पांच-सात वर्षों में उच्चतम न्यायालय से हमें मिला सबसे ऐतिहासिक फैसला है।

'भारतीय कार्यबल को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए सरकार प्रयासरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार देश में कुशल कार्यबल को वैश्विक बाजार के साथ जोड़ने की दिशा में काम कर रही है और भारत को वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए उपलब्ध मानव संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जोर देना होगा। प्रधान ने कहा कि कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) लोगों को दक्ष बनाने और उन्हें नए कौशल से लैस करते हुए कार्यबल की 'रोजगार क्षमता बढ़ाने' के लिए कई पहल कर रहा है।

शिक्षा के साथ कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले प्रधान ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, हम देश के कुशल कार्यबल को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके पहले प्रधान ने देश में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के उपायों पर फ्लिपकार्ट, टीमलीज, इन्फोसिस, आईआईटी गुवाहाटी और लॉजिकनॉट्स, टाइम्सप्रो, बीसीजी एवं गूगल समेत 15 संगठनों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

एनएसडीसी ने इन संगठनों के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इसके तहत इन संगठनों को 'स्किल इंडिया डिजिटल हब' से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर प्रधान ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश के मानव संसाधन का 'अधिकतम उपयोग' करने की जरूरत है।

असम को जल्द ही सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई मिलेगी : चंद्रशेखर

गुवाहाटी/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि असम में जल्द ही 25,000 करोड़ रुपए की लागत से सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई स्थापित की जाएगी, जिससे इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। असम के गुवाहाटी में आयोजित 'डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल समिट' को संबोधित करते हुए, चंद्रशेखर ने इस बात का उल्लेख किया कि टाटा के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव को जल्द ही अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है और इसे अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह शिखर सम्मेलन देश में पहली बार आयोजित किया जा रहा है और मुझसे पूछा गया कि यह यहां क्यों हो रहा है, हैदराबाद या दिल्ली में क्यों नहीं। इसका कारण है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के ऊर्जावान नेतृत्व में, राज्य में जल्द एक सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

संदेशखालि में सभी जरूरी कदम उठाए गए, दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अशांत संदेशखालि में समस्या पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि इलाके में शांति बहाल करने के लिए हरसंभव आवश्यक कार्रवाई की गई है। बनर्जी ने राज्य विधानसभा में कहा कि अशांत संदेशखालि क्षेत्र में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा।

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा स्थानीय लोगों पर कथित अत्याचारों को लेकर जिस क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन हो रहा है, उसका जिक्र करते हुए बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि उन्होंने कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया है और न ही होने देंगी। उन्होंने कहा, हम संदेशखालि की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। किसी भी गलत काम में शामिल किसी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा। मैंने वहां राज्य महिला आयोग को भेजा है और संदेशखालि के लिए एक पुलिस दल गठित किया है।

बनर्जी ने कहा, क्षेत्र में अशांति फैलाने के लिए एक भयानक साजिश रची जा रही है और राज्य सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई की है। बुधवार को लगातार सातवें दिन संदेशखालि में विरोध प्रदर्शन जारी रहा, बड़ी संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतर आईं और तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख और उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी की मांग की। शाहजहां शेख और उनके साथियों के खिलाफ आरोप हैं कि वे जबरन जमीन पर कब्जा करते हैं और महिलाओं का यौन उत्पीड़न करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह पता चला है कि किस तरह भाजपा कार्यकर्ताओं को लाया गया और योजनाबद्ध तरीके से हिंसा भड़काई गई। मुख्य निशाना शाहजहां शेख थे और ईडी ने उन्हें निशाना बनाते हुए इलाके में प्रवेश किया। बनर्जी ने कहा, इसके बाद उन्होंने वहां से सभी को बाहर निकाला और इसे आदिवासियों तथा अल्पसंख्यकों की लड़ाई की तरफ पेश किया। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह नई बात नहीं है। वहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आधार है। वहां 7-8 साल पहले दंगे हुए थे। यह दंगों के लिहाज से सबसे संवेदनशील स्थानों में से एक है।

प्रदर्शनकारी किसान देश के लिए वैसे ही लड़ रहे हैं, जैसे सीमा पर सैनिक लड़ते हैं : राहुल गांधी

औरंगाबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रदर्शनकारी किसान देश के लिए वैसे ही लड़ रहे हैं, जैसे सीमा पर सैनिक लड़ते हैं।

गांधी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और कर्ज माफी पर कानून बनाने सहित अपनी मांगों के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसानों द्वारा किए गए 'दिल्ली चलो' विरोध मार्च का जिक्र कर रहे थे।

राहुल गांधी ने औरंगाबाद जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, प्रदर्शनकारी किसान हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे सीमा पर सैनिक लड़ते हैं। कांग्रेस सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी ने 'मणिपुर' में आग लगाने का काम किया और उन्होंने एक समुदाय को दूसरे समुदाय के खिलाफ खड़ा किया। पूर्वोत्तर राज्य पिछले साल मई से जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए गांधी ने दावा किया कि केंद्र ने सर्वाधिक अमीर लोगों के 14 लाख करोड़ रुपए के ऋण माफ कर दिए, जबकि मनरेगा का बजट केवल 70 हजार करोड़ रुपए है।

राकांपा का नाम, चिह्न पार्टी संस्थापक से छीनने के पीछे 'अदृश्य शक्ति' : सुले

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार की नेता सुप्रिया सुले ने अपने पिता की बनाई पार्टी को छीनने को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा का परोक्ष रूप से संदर्भ देते हुए बृहस्पतिवार को 'अदृश्य शक्ति' पर निशाना साधा। बारामती से लोकसभा सदस्य सुले ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी ने अजित पवार नीत खेमे को असली राकांपा के रूप में मान्यता देने के निर्वाचन आयोग के निर्णय के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। सुले ने दावा किया, शरद पवार राकांपा के संस्थापक एवं अध्यक्ष हैं, थे और रहेंगे। अदृश्य शक्ति पार्टी को इसके संस्थापक से छीनने का कृत्य कर रही है। उन्होंने कहा, इसलिए हमने अदालत का रुख किया है क्योंकि पार्टी और इसके चिह्न को उस व्यक्ति से छीन लिया गया, जिसने उसे स्थापित किया था। सुले ने कहा कि शरद पवार द्वारा गठित पार्टी का नाम और चिह्न किसी और को आवंटित करना एक नया उदाहरण स्थापित करेगा क्योंकि यह फैसला किसी व्यक्ति से संबद्ध नहीं है बल्कि इतिहास में दर्ज हुआ है।

संदेशखालि मामले में आरएसएस को घसीटे जाने पर भाजपा ने की ममता की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी की उनके उस बयान के लिए आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा है कि संदेशखालि में कई महिलाओं द्वारा उनकी पार्टी के सदस्यों के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का हाथ हो सकता है।

भारतीय जनता पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, एक महिला मुख्यमंत्री ऐसा कह रही हैं। शर्म आनी चाहिए आपको.... आप इतनी क्रूर, इतनी महिला विरोधी क्यों हो गईं ममताजी?'' बनर्जी ने राज्य विधानसभा में कहा था कि संदेशखालि उस हिंदुत्व संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का 'आधार' बन गया है, जिससे भाजपा वैचारिक प्रेरणा लेती है। प्रसाद ने कहा कि बनर्जी संदेशखालि में महिला शिकायतकर्ताओं की भी आलोचना कर रही हैं।

उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा के किसी मुख्यमंत्री ने ऐसी बातें कही होतीं तो देश में राहुल गांधी, विपक्षी दल और मानवाधिकार समूह जैसे नेता तूफान खड़ा कर देते। भारतीय जनता पार्टी नेता ने कहा, इसे शर्मनाक दोहरा मापदंड कहा जाता है।

बनर्जी ने विधानसभा में कहा था, यह सामने आया है कि कैसे भाजपा कार्यकर्ताओं को लाया गया है और योजनाबद्ध तरीके से हिंसा भड़काई गई। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र दंगों के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र रहा है और भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों के खिलाफ अल्पसंख्यकों को उकसाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा, यह कोई नई बात नहीं है। आरएसएस का वहां आधार है। सात-आठ साल पहले वहां दंगे हुए थे। यह दंगों के हिसाब से सबसे संवेदनशील स्थलों में से एक है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की टीम ने संदेशखालि का दौरा किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में संदेशखालि का दौरा करने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष अरुण हलदर ने कहा कि वहां के लोगों ने आयोग के सदस्यों के साथ अपने 'खौफनाक अनुभव' साझा किए। संदेशखालि में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं द्वारा स्थानीय लोगों पर कथित अत्याचार किए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। हलदर के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने उस क्षेत्र के निवासियों से बात की, जहां मुख्य रूप से अजा व अन्य पिछड़े समुदायों के लोग रहते हैं।

दौरे के बाद हलदर ने कहा, हमने विभिन्न लोगों से बात की जिन्होंने अपने साथ हुए खौफनाक अनुभवों के बारे में बात की। उन्होंने जिला प्रशासन पर भी असहयोग का आरोप लगाया। हलदर ने संवाददाताओं से कहा, जब मैंने जिला प्रशासन को हमारी प्रस्तावित यात्रा के बारे में सूचित किया, तो हमें वहां नहीं जाने के लिए कहा गया क्योंकि वहां कानून और व्यवस्था की स्थिति नाजुक है। हालांकि, हम यात्रा करने के फैसले पर अड़े रहे। हलदर ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने एनएससीसी टीम को उनकी यात्रा के लिए कोई सहायता प्रदान नहीं की और क्षेत्र का दौरा करने के लिए स्थानीय परिवहन की व्यवस्था की गई।

टीएमसी की मिमी चक्रवर्ती ने संसद की सदस्यता छोड़ी, कहा-राजनीति मेरे वश की बात नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। लोकप्रिय बंगाली अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद मिमी चक्रवर्ती ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा, राजनीति मेरे वश की बात नहीं है।

यादवपुर से पहली बार सांसद निर्वाचित हुईं चक्रवर्ती मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से मिलने के लिए राज्य विस पहुंचीं। उन्होंने कहा, आज, मैंने पार्टी प्रमुख से मुलाकात की। मैंने अपना इस्तीफा उन्हें 13 फरवरी को सौंप दिया था। इन विगत वर्षों में मुझे समझ आया कि राजनीति मेरे वश की बात नहीं है। हालांकि, अब तक स्पष्ट नहीं है कि ममता बनर्जी ने चक्रवर्ती का इस्तीफा स्वीकार किया है या नहीं। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने परंपरा के अनुसार इस्तीफा लोकसभा अध्यक्ष को न भेजकर ममता बनर्जी को क्यों सौंपा, चक्रवर्ती ने कहा, एक बार तृणमूल कांग्रेस से अनुमति मिल जाए तो मैं इसे लोस अध्यक्ष को भेज दूंगी। यह घटनाक्रम आम चुनाव से महज कुछ महीने पहले सामने आया है।

ओडिशाः बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से दो सुरक्षाकर्मी घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के बौध जिले में बृहस्पतिवार को एक जंगल में तलाशी अभियान के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया, जिससे दो सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि यह बारूदी सुरंग माओवादियों द्वारा बिछाई गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना बौध जिले के नालिकुम्फा जंगल में उस समय हुई जब ओडिशा के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान बृहस्पतिवार को सुबह तलाशी अभियान पर थे। दोनों घायलों को बोलांगीर के भीमा भोई मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने बताया कि एक के सिर पर जबकि दूसरे की आंख में चोट आई है। उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए हवाई मार्ग से भुवनेश्वर भेजा जाएगा।

भारत फीफा रैंकिंग में 15 पायदान खिसककर 117वें स्थान पर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम हाल में एएफसी एशियाई कप में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण गुरुवार को फीफा रैंकिंग में 15 पायदान खिसककर 117वें स्थान पर पहुंच गई जो सात साल में उसकी सबसे खराब रैंकिंग है। भारत एएफसी एशियाई कप में अपने सभी तीनों ग्रुप मैच गंवा बैठा था। यह भारत की जनवरी 2017 में 129वीं रैंकिंग के बाद सबसे खराब रैंकिंग है। हालांकि अभी तक देश की सबसे खराब रैंकिंग 2015 में 173 थी। पिछली फीफा रैंकिंग में भारतीय टीम 102वें स्थान पर थी जो 21 दिसंबर 2023 को जारी हुई थी। भारत ने पिछली रैंकिंग से 35.63 रेटिंग अंक गंवा दिए। अब यह टोगो (116वीं रैंकिंग) और गिनी बिसाऊ (118वीं रैंकिंग) के बीच में काबिज है। एशियाई देशों में भारत की रैंकिंग 22 है।

सरफराज के पिता ने कहा, मेरी सोच बदल गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने के बावजूद सत्र दर सत्र सरफराज खान की अनदेखी से उनके पिता की उम्मीदें टूट गई थीं लेकिन जब गुरुवार को उनके बेटे को टेस्ट पदार्पण की कैप सौंपी गई तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू नहीं रूक रहे थे। सरफराज के पिता और 'मेंटोर' नौशाद खान अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके जब इस मध्यक्रम के बल्लेबाज को महान क्रिकेटर अनिल कुंबले से भारतीय टीम की 'कैप' मिली। इस विशेष पल के बाद 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से बात करते हुए नौशाद ने कहा कि सरफराज के मामले से साबित होता है कि उम्मीद की किरण हमेशा होती है।

नौशाद ने कहा, पहले जब मैं सरफराज पर कड़ी मेहनत करता था तो मैं सोचता था कि मेरा सपना सच्चाई क्यों नहीं बनता। लेकिन टेस्ट कैप मिलने के बाद मेरे विचार उन सभी बच्चों के लिए बदल गए जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, रात को बख्त (समय) दो गुजरने के लिए, सूरज अपने ही समय पर निकलेगा। नौशाद ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को कड़ी मेहनत, खुद पर भरोसा रखने के अलावा चयनकर्ताओं की बार बार अनदेखी के बावजूद संयमित बने रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, जब उसका समय आएगा तो चीजें अपने आप काम करेंगी। उसका काम बस कड़ी मेहनत करना, संयम बनाए रखना और उम्मीद नहीं छोड़ना था।

सरफराज ने भी स्वप्निल पदार्पण करते हुए 66 गेंद में 62 रन बनाए, लेकिन गफलत के कारण रन आउट हुए। सरफराज ने साल दर साल घरेलू क्रिकेट में काफी रन जुटाए लेकिन विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट से पहले ही उन्हें पहली बार टीम में शामिल कर लिया गया। सरफराज ने दूसरे टेस्ट के मौके पर कहा था, मुझे कब टीम में शामिल किया जाएगा, बार बार यह सोचकर मेरी आंखों में आंसू आते थे। मेरे अब्बू ने मुझे सिर्फ यही कहा कि कड़ी मेहनत करते रहो, कोई तुम्हें नहीं रोक सकेगा। मुझे लगता है कि भरोसा और संयम रखना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैंने एक सपना देखा था कि मेरे भारत 'ए' के साथी मुझे बधाई दे रहे हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या में से भारतीय टीम में जगह बनना गर्व का पल है। इससे ज्यादा मैं अपने अब्बू के लिए खुश हूं।

इस अवसर पर कुंबले ने सरफराज को कैप देते हुए कहा, सरफराज आप जिस तरह से आगे बढ़े उस पर वास्तव में हमें गर्व है। आपने जो कुछ हासिल किया मुझे विश्वास है कि उस पर आपके पिता और परिवार को बहुत गर्व होगा। मुझे पता है कि आपने कड़ी मेहनत की है। यह आपके लंबे करियर की शुरुआत है। आपसे पहले केवल 310 लोग खेले हैं। आपको ढेर सारी शुभकामनाएं।

सरफराज के अलावा उत्तर प्रदेश के विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को भी टेस्ट में पदार्पण कराया गया। जुरेल को पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने टेस्ट कैप सौंपी।

भारतीय बैडमिंटन की अगली स्टार बनने की राह पर अनमोल खरब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अपने पहले ही बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में चीन की खिलाड़ी को हराने के बाद 17 साल की अनमोल खरब को यह बोलने में कोई झिझक नहीं है कि वह भारतीय बैडमिंटन में स्वयं को अगली स्टार खिलाड़ी के रूप में देखती हैं। फरीदाबाद की यह युवा खिलाड़ी कोर्ट के बाहर एक आम किशोरी की तरह जिंदादिल, बातूनी और बेपरवाह है लेकिन कोर्ट पर कदम रखते ही अनमोल किसी अनुभवी खिलाड़ी की तरह कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन जाती हैं जिसका नजारा बुधवार को बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियन मैच के दौरान चीन की लाउ यू ने देखा।

अनमोल ने कहा, मैं भारत के लिए पदक और खिताब जीतना चाहती हूं और अगर मैं अधिक अभ्यास और कड़ी मेहनत कर सकी तो मैं कमी को पूरा कर सकती हूं। मैं खुद को ऐसी खिलाड़ी (महिला एकल में अगली बड़ी स्टार) के तौर देखती हूं। अनमोल के आत्मविश्वास का कारण भी है। बुधवार को जब वह कोर्ट पर उतरी तो भारत और चीन के बीच मुकाबला 2-2 से बराबर था और उन्होंने बेहद दबाव के बावजूद जीत दर्ज की। गत राष्ट्रीय चैंपियन ने कहा, यह अच्छा मुकाबला था। पहला गेम कड़ा था लेकिन दूसरे गेम में मैंने गलतियां कीं। मैं शटल को नियंत्रित नहीं कर पाई। मैं पिछड़ रही थी लेकिन मेरा ध्यान सिर्फ शटल को कोर्ट के अंदर रखने और आक्रामक होकर खेलने पर था। मुझे खुशी है कि मैं मैच जीत पाई।

सुविचार

संभव की सीमा जानने का एक ही तरीका है, असंभव से भी आगे निकल जाना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मजबूत मनोबल

कतर की जेल से रिहा होने के बाद भारत के आठ पूर्व नौसेना कर्मियों ने जो अनुभव साझा किए, उनसे यह भी संदेश मिलता है कि कठिन समय में खुद को कैसे संभालें और कैसे मजबूत रहें। यह प्रबल आशावाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ये पूर्व कर्मी कतर की जिस जेल में कैद थे, वहां काफी सख्ती थी और सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। इनके मन में अपने जीवन को लेकर कई सवाल उमड़ रहे थे, लेकिन साथ ही यह विश्वास भी था कि एक दिन ऐसा आएगा, जब वे इस कैदखाने से निकलेंगे और अपने परिवारों से मिलेंगे। इस जेल से रिहा होकर आए एक पूर्व नौसैनिक रागेश गोपाकुमार ने जो कहा, वह उल्लेखनीय है– 'मैं और मेरे सहयोगी, रक्षा बलों के प्रशिक्षण के कारण जीवित बच पाए।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। कठिन समय को खुद पर हावी न होने देना और सकारात्मक नजरिया रखना – ये दो ऐसे बिंदु हैं, जो बड़ी चुनौतियों से पार पाने में बेहद असरदार साबित हो सकते हैं। पिछले साल नवंबर में उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में एक पखवाड़े से ज्यादा समय तक फंसे रहने के बाद श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया था। उस अभियान में प्रशासन की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही, लेकिन अंदर फंसे श्रमिकों ने खुद को अलग-अलग तरीके से ऊर्जावान बनाकर रखा था।

मुश्किल हालात में मजबूत बने रहना एक विज्ञान और कला है, जिसका कुछ ज्ञान युवाओं को जरूर होना चाहिए। आज युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति अत्यंत चिंता का विषय है। परीक्षा में कम नंबर आने, प्रवेश परीक्षा में आशाजनक प्रदर्शन न कर पाने, नौकरी की परीक्षा में सफलता से वंचित होने, इंटरव्यू में निकाल दिए जाने ... जैसे कई कारण हैं, जिनके आगे कुछ युवा हार मान जाते हैं। राजस्थान के कोटा शहर से प्रायः हर महीने ऐसा दुःखद समाचार मिलता है, जिसमें मेडिकल या इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा की तैयारी से जुड़े विद्यार्थी द्वारा ग़लत कदम उठा लिए जाने का उल्लेख होता है। निस्संदेह युवाओं से उनकी 'जीत' की उम्मीद रखनी चाहिए, लेकिन उन्हें मुश्किल हालात का मजबूती से सामना करने की सीख भी देनी चाहिए। उन्हें प्रतिकूल परिणाम पर सकारात्मक तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करना चाहिए। कतर समेत उस क्षेत्र में स्थित सभी देशों के कानून बहुत सख्त हैं। वहां एक बार किसी के लिए मृत्युदंड की घोषणा हो जाए तो उसका ज़िंदा लौटना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। जब उन आठ पूर्व कर्मियों पर कथित आरोप लगाकर उन्हें जेल भेजा गया तो वे किताबों, योग, ध्यान, प्रार्थनाओं आदि से खुद के इस विश्वास को मजबूत बनाने में लगे रहे कि वे निर्दोष हैं और एक दिन इस जेल से सकुशल रिहा होने में कामयाब होंगे। निस्संदेह इसके साथ-साथ भारत सरकार के प्रयासों की बड़ी भूमिका रही, लेकिन संबंधित पूर्व कर्मियों ने यह साबित कर दिया कि अगर मनोबल को मजबूत रखा जाए तो हालात से लड़ना आसान हो जाता है। स्कूली बच्चों को शुरू से ही ऐसे लोगों के बारे में पढ़ाया जाए, जिन्होंने बेहद मुश्किल हालात होने के बावजूद हार नहीं मानी। स्कूलों की प्रार्थना-सभाओं में ऐसे लोगों के बारे में बताया जा सकता है। जो बच्चे परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करें, उन्हें पुरस्कृत करें, लेकिन जो बच्चे किसी कारणवश उतने अंक नहीं प्राप्त कर पाए, उन्हें भी प्रोत्साहित किया जाए और बताया जाए कि आप प्रतिभाशाली हैं। उन्हें अगली बार अच्छे अंक लाने के लिए बढ़िया तैयारी के तौर-तरीके बताए जाएं। इससे उन बच्चों में हीनभावना पैदा नहीं होगी। कालांतर में वे भी बड़ी कामयाबी पाएंगे और दूसरों के लिए आदर्श बनेंगे।

ट्वीटर टॉक

अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए आज राजस्थान रोडवेज की प्रदेश के सात संभागों से अयोध्या की बस सेवा प्रारंभ हुई। इस अवसर पर आज ओटीएस, जयपुर से बस को माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा के साथ पूजन कर झंडी दिखा रवाना किया।

–सीपी जोशी

राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों हेतु मदन राठौर व चुन्नीलाल गरासिया के नामांकन दाखिल करने के अवसर पर उपस्थित रहा। लोकतंत्र के मंदिर संसद के उच्च सदन में आप दोनों का अनुभव, ऊर्जा एवं अभिव्यक्ति कौशल निश्चित रूप से प्रदेश सहित देश की विकास यात्रा को बल देगा।

–भजनलाल शर्मा

अयोध्या धाम में सदियों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्रीराम के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। राजस्थान की भाजपा सरकार आज से प्रदेश के लोगों के लिए बस सेवा शुरू करने जा रही है। सनातन संस्कृति के साथ चलते हुए हर व्यक्ति की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम तैयार हैं।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

स्वतंत्र चेतना जरूरी

एक भक्त ने संत से पूछा– कल अपने प्रवचन में कहा, 'हम में से अधिकतर लोग गुलाम हैं। जबकि हम तो स्वतंत्र हैं।' गुरु ने जवाब दिया, 'मानसिक गुलामी ही सबसे बड़ी गुलामी है, शारीरिक गुलामी कोई बहुत बड़ी गुलामी नहीं है। मानसिक गुलामी यानी झूठी आस्था, सामाजिक मान्यता, धार्मिक मान्यता, नियम-सिद्धान्त, पारिवारिक मान्यता, अंधविश्वास आदि, जो इनमें उलझा है, वही मानसिक रूप से गुलाम है, मानसिक गुलामी स्वयं का सबसे बड़ा निरादर है, स्वयं का बहुत बड़ा अपमान है, ऐसा व्यक्ति कभी स्वयं को सम्मान नहीं देता।

जो स्वयं को सम्मान नहीं देता वो कभी भी सत्य यानी परमात्मा को प्राप्त नहीं कर सकता। ज़ंजीरों से बंधे शरीर जो जेलों मे बंद हैं, मानसिक रूप से झूठी मान्यताओं, झूठी आस्थाओं की ज़ंजीरों में क़ैद नहीं हैं, वे जेल में भी सत्य की खोज कर सकते हैं। सत्य को उपलब्ध हो सकते हैं। लेकिन मानसिक रूप से गुलाम व्यक्ति कभी प्राप्त नहीं कर सकते। मानसिक रूप से गुलाम आदमी पाखंडी होता है, धार्मिक कदाचित नहीं!

सामयिक

विश्व का एक अनूठा त्यौहार है मर्यादा महोत्सव

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

जीवन का पड़ाव चाहे संसार हो या संन्यास, सीमा, संयम एवं मर्यादा जरूरी है। मर्यादा जीवन का पर्याय है। धरती, अंबर, समन्दर, सूरज, चांद-सितारें, व्यक्ति, धर्म एवं समाज सब अपनी-अपनी सीमाओं में बंधे हैं। जब भी उनकी मर्यादा एवं सीमा टूटती है, प्रकृति प्रलय एवं समाज अराजकता में परिवर्तित हो जाता है। इसी मर्यादा की सीख देने वाले धर्म, धर्मगुरु एवं धर्म-संगठन जिस तरह मर्यादाहीन होते जा रहे हैं, वह एक गंभीर स्थिति है। जबकि किसी भी धर्मगुरु, संगठन, संस्था या संघ की मजबूती का प्रमुख आधार है-मर्यादा। यह उसकी दीर्घजीविता एवं विश्वसनीयता का मूल रहस्य है। विश्व क्षितिज पर अनेक धर्म संघ, संप्रदाय, संस्थान उदय में आते हैं और काल की परतों तले दब जाते हैं। वही संगठन अपनी तेजस्विता निखार पाते हैं, जिनमें कुछ प्राणवत्ता हो, समाज के लिए कुछ कर पाने की क्षमता हो। बिना मर्यादा, संयम और अनुशासन के प्राणवत्ता टिक नहीं पाती, क्षमताएं चुक जाती हैं। मर्यादा धर्म संगठनों का त्राण है, प्राण है, जीवन रस है। अंधियारी निशा में उज्ज्वल दीपशिखा है। समंदर के अथाह प्रवाह में बहते जहाज के लिए रोशनी की मीनार है।

जैन धर्म के तेरापंथ धर्मसंघ एक प्राणवान संगठन है और उसमें मर्यादाओं का सर्वाधिक महत्व है। इसके आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु ने तत्कालीन समाज की दुर्दशा एवं अनुशासनहीनता को देखते हुए मर्यादाओं का निर्माण किया। न केवल साधुओं के लिये बल्कि श्रावकों-श्रद्धालुओं के लिये भी नियम बनायें। सम्यक श्रद्धा और आचार शुद्धि को मद्देनजर रखते हुए उन्होंने मर्यादा की लक्ष्मण रेखा बनाई। आचारनिष्ठा, विचार शुद्धि, संगठन की सुघड़ता एवं सुव्यवस्था ही उनका प्रमुख ध्येय था। धर्म-संगठन की सुदृढ़ता व चिरजीविता का रहस्य है इसकी मर्यादाएं। मर्यादाओं की सुदृढ़ प्राचीर में संघ की इमारत अपनी सुरक्षा व खूबसूरती को कायम रखे हुए है। तेरापंथ की मर्यादाओं के सन्दर्भ में कहा जाता है कि वह बिखराव को समेटती है, उच्छृंखलता को अंकुश देती है, समय का प्रबन्धन करती है, शक्तियों का सही दिशा में नियोजन करती है, जीवन को आत्मानुशासन से संवारती है।

तेरापंथ धर्मसंघ की एकता, संगठन, अनुशासन और मर्यादा का प्रतीक है-मर्यादा महोत्सव। पर्वों, उत्सवों एवं त्यौहारों की दुनिया में यह एक निराला त्यौहार है। विश्व भर में अनेक उत्सव, पर्व या कार्यक्रम मनाए जाते हैं। जन्म दिवस और निर्वाण दिवस के आयोजन होते हैं। पर मर्यादा महोत्सव मनाने की परंपरा तेरापंथ की अपनी मौलिकता है, विशेषता है। संघ की वैधानिक, संगठनात्मक और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों का केंद्र है-मर्यादा महोत्सव। साधु-साध्वियों एवं समण-समणियों की सारणा-वारणा, सार-संभाल का समय है-यह महोत्सव। चातुर्मास की नियुक्ति व पूर्व वर्ष के सिंहावलोकन का काल है-इस उत्सव का समय। मर्यादा की धाराओं की पुर्नउच्चारण व पुनार्भिव्यक्ति का माध्यम है-मर्यादा महोत्सव।

मर्यादा-महोत्सव दुनिया का अनूठा उत्सव है। तेरापंथ की गतिविधियों का नाभि केंद्र है। मर्यादा महोत्सव का केन्द्रीय विराट आयोजन संघ के अधिशास्ता की पावन सन्निधि में समायोजित होता है। इस वर्ष आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में 160वां मर्यादा महोत्सव वाशी (महाराष्ट्र) में 14-16 फरवरी, 2024 आयोजित हो रहा है, इसकी पृष्ठभूमि चातुर्मास की समाप्ति के साथ ही शुरू हो जाती है। प्रस्तुत वर्ष का मर्यादा महोत्सव कहां मनाना है यह घोषणा आचार्य प्रवर द्वारा काफी समय पहले ही हो जाती है। देश-विदेश में विहार और धर्म प्रचार करने वाले सैंकड़ों साधु-साध्वियां और समण-समणियां महोत्सव स्थल पर गुरु सन्निधि में पदयात्रा करते हुए पहुंच जाते हैं। गुरु दर्शन करते ही अग्रगण्य साधु-साध्वियां स्वयं के पद को और स्वयं को विलीन कर विराटता का अनुभव करते हैं।

मर्यादा महोत्सव तेरापंथ का महाकुंभ मेला है। इसका आयोजन तीन दिवसीय होता है और इस अवधि में शिक्षण-प्रशिक्षण, प्रेरणा-प्रोत्साहन, अतीत की उपलब्धियों का विहंगावलोकन, भावी कार्यक्रमों का निर्धारण आदि अनेक रचनात्मक प्रवृत्तियां चलती हैं। सब साधु-साध्वियां अपने वार्षिक कार्यक्रमों और उपलब्धियों का लिखित और मौखिक विवरण प्रतिवेदित करते हैं। श्रेष्ठ कार्यों के लिए गुरु द्वारा विशेष प्रोत्साहन मिलता है। कहीं किसी का प्रमाद, मर्यादा के अतिक्रमण का प्रसंग उपस्थित होता है तो उसका उचित प्रतिकार होता है। संघ की यह स्पष्ट नीति है कि किसी की कोई गलती हो जाए तो उसको न छुपाओ, न फैलाओ, किन्तु उसका सम्यक परिमार्जन करो, प्रतिकार करो। प्रकृति का कण-कण हमें मर्यादा की बात सिखा रहा है। अपेक्षा है, मानव अनुशासन और मर्यादा को अपनाकर जीवन को संवारे। मर्यादा-महोत्सव का यह पावन अवसर सबको यही संदेश देता है कि मर्यादा से ही समस्याओं का निपटारा संभव है। पथभ्रान्त पथिक को मर्यादा ही सच्चा पथदर्शन बनेगी। युग की उफनती समस्याओं की नदी मर्यादा की मजबूत नाव से ही पार की जा सकेगी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की इस भूमि पर मर्यादा को स्थापित करने और उसे गौरवान्वित करने की इस विलक्षण एवं अनूठी घटना से हम सभी प्रेरित हो, विनाश का ग्रास बनती इस ऊर्वरा भारत-भू को विकास के शिखर पर चढ़ाएं।

आचार्य श्री तुलसी एवं आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अपनी प्रखर आध्यात्मिक प्रतिभा से समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है और उन्हीं की ऊर्जा से तेरापंथ धर्मसंघ का मर्यादा महोत्सव जन-जन की आस्था का केन्द्र भी बना है, एक प्रेरणा बना है। यह महोत्सव मात्र मेला ही नहीं है, सैकड़ों प्रबुद्ध साधु-साध्वियों का मिलन संघीय इतिहास में श्री स्वस्ति का उद्घोषक बनता है। वह मात्र आयोजनात्मक ही नहीं, वह संघ के फलक पर सृजनशीलता के नये अभिलेख अंकित करता है। महोत्सव के समय ऐसा लगता है मानो नव निर्माण के कलश छलक रहे हैं, उद्यम के असंख्य दीप एक साथ प्रज्वलित हो रहे हैं। हर मन उत्साह से भरा हुआ, हर आंख अग्रिम वर्ष की कल्पनाशीलता पर टिकी हुई और हर चरण स्फूर्ति से भरा हुआ प्रतीत होता है। यह महापर्व पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ता प्रदान करता है। उनमें अंतरंगता लाता है। अनेकता में एकता का बोध कराता है। मर्यादा महोत्सव संघीय चेतना का अदृश्य वाहक है। इसमें वैयक्तिक और संघीय गति, प्रगति एवं शक्ति निहित है। स्वयं को समग्र के प्रति समर्पित करने का अनूठा महोत्सव है यह। इसका संदेश है स्वयं को अनुशासित करो, प्रकाशित करो और दूसरों को प्रेरणा दो। अपेक्षा है एक धर्मसंघ में मनाया जाने वाला यह अनूठा पर्व, समग्र मानवता का उत्सव बने।

मर्यादा महोत्सव इस सोच और संकल्प के साथ आयोजित होता है कि हमें कुछ नया करना है, नया बनना है, नये पदचिह्न स्थापित करने हैं। बीते वर्ष की कमियों पर नजर रखते हुए उन्हें दोहराने की भूल न करने का संकल्प लेना है। हमें यह संकल्प करना और शपथ लेनी है कि आने वाले वर्ष में हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो हमारे उद्देश्यों, उम्मीदों, उमंगों और आदर्शों पर प्रश्नचिह्न टांग दे। अपनी उपलब्धियों का अंकन एवं कमियों की समीक्षा कर इस अवसर पर हर व्यक्ति अपनी विवेक चेतना को जगाता है और अपने भाग्य की रेखाओं में संयम और मर्यादा के रंग भरता है, सामंजस्य एवं सहिष्णुता को जीवन के व्यवहार में उतारने का अभ्यास करता है। केवल अपनी भावनाओं को ऊंचा स्थान दे, वह स्वार्थी होता है। स्वार्थी होने की कीमत चुकानी ही पड़ती है। दूसरों की भावना के प्रति उदार बनें। उदार होने का मतलब है आप किसी के कहे बिना भी उनकी भावनाओं को समझें। उसके बारे में सोचें, विचारें। इससे आपके जीने का अंदाज बदल जायेगा। यही जीने की आदर्श शैली का प्रशिक्षण मर्यादा महोत्सव का हार्द है।

सहिष्णुता यानि सहनशीलता। दूसरे के अस्तित्व को स्वीकारना, सबके साथ रहने की योग्यता एवं दूसरे के विचार सुनना- यही शांतिप्रिय एवं सभ्य समाज रचना का आधारसूत्र है और यही आधारसूत्र को मर्यादा महोत्सव का संकल्पसूत्र है। परिवार, गांव, समाज जैसी संस्थाएं टूट रही हैं। रिश्ते समाप्त हो रहे हैं। आत्मीयता समाप्त हो रही है।

तथाकथित विकास के रास्ते पर जो हम चल रहे हैं वह केवल बाहरी/भौतिक है, जो सहिष्णुता के आसपास पनपने वाले सभी गुणों से हमें बहुत दूर ले जा रहा है। आधुनिक संचार माध्यमों के कारण जहां दुनिया छोटी होती जा रही है, वहीं मनुष्य ने अपने चारों तरफ अहम की दीवारें बना ली हैं, जिसमें सहिष्णुता के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों में फैलता वैचारिक एवं अनैतिक प्रदूषण, आर्थिक अपराधीकरण, रीति-रिवाजों में अपसंस्कृति का अनुसरण, धार्मिक संस्कारों से कटती युवापीढ़ी का रवैया, समाज-राष्ट्र में बढ़ता सत्ता, प्रतिष्ठा और धन का अन्धाधुन्ध आकर्षण जैसे जीवन-सन्दर्भों के साथ किसी भी कीमत पर समझौता न कर हम समझ के साथ भारतीय संस्कृति को बहुमान दें। तभी मर्यादा महोत्सव संघ की बुनियाद पर समाज एवं राष्ट्र को नई प्रतिष्ठा एवं नई दिशा दे सकेगा। मर्यादा महोत्सव धर्म का एक आदर्श स्वरूप है जो अच्छाइयों के प्रति आस्था और बुराइयों के प्रति संघर्ष करने का साहस देता है। इस महोत्सव का निहितार्थ है कि मर्यादाओं को जीवन से अलग नहीं किया जा सकता। मर्यादाएं तो सांस की भांति जीवन के साथ-साथ चलती हैं। मर्यादा का मतलब वह आस्था है जो जीवन के ऊंचे आदर्श, शुद्ध नीतियों और किये गये वायदों के प्रति जागरूक रखती है। इन्हीं मर्यादाओं को मर्यादा महोत्सव का उपहार मानें और उसे अपने जीवन के साथ जोड़ लें। यह धर्म भी सफलता का एक मंत्र है।

मंथन

भारत का वैदिक ज्ञान, देश के साथ विश्व को देता ज्ञानालोक

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार, निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है। वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता ।ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता। इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है। सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजनी नायडू और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में सच्चरित्र जीवन और मानसिक आध्यात्मिक शक्ति एवं ऊर्जा के कारण ही स्वतंत्रता संग्राम में पराधीन भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी। किसी भी देश के नागरिक को एक दिन में सच्चरित्र नहीं बनाया जा सकता बल्कि बालकों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा से शिक्षित किया जाकर सदाचार का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। यह सर्वविदित है कि मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर देश परिस्थितियां शिक्षा और समाजिक व्यवहार का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है और नैतिकता सदाचार का पाठ किसी भी व्यक्ति को एक दिन में नहीं पढ़ाया जा सकता है।

दुष्ट चरित्र पुरुष समाज में कभी भी प्रसिद्धि प्राप्त नहीं कर सकता सदैव अपनी बदनामी के कारण सिर झुका कर छुप कर घूमता है, इसीलिए भारतीय चिंतकों, मनीषियों ने लिखा और कहा है की चरित्र सदाचार की रक्षा मनुष्य को संपूर्ण प्रयास कर निरंतर करते रहना चाहिए। क्योंकि नागरिकों का नैतिक और सदाचारी स्वभाव और व्यवहार राष्ट्रीय संपत्ति होता है और यही संपत्ति राष्ट्र को एक सशक्त राष्ट्र और उत्कृष्ट देश बनाने में सदैव सहायक होता है। आध्यात्मिक शिक्षा सदाचार सद्गुण और चरित्र यह मनुष्य के बहुत ही महत्वपूर्ण आंतरिक तत्व हैं और इसी से मनुष्य का सकारात्मक व्यक्तित्व निर्मित होकर महान राष्ट्र की पृष्ठभूमि को अवलंबित करता है। देश का सद्गुणी सदाचारी सच्चरित्र व्यक्ति है देश को विकास की ओर सदैव ले जा सकता है एवं एक सशक्त राष्ट्र भी बनाने में मदद करता है। इसलिए अध्यात्म चरित्र तथा नैतिक शिक्षा को किसी भी राष्ट्र में प्राथमिकता देकर पुष्पित और पल्लवित किया जाना चाहिए।

नजरिया

प्रकृति के लिए शांति, एक महत्वपूर्ण आवश्यकता

डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल
मोबाइल : 9413179329

प्रकृति हमारे जीवन का मूल आधार है। यह हमें जीवन का संतुलन, स्वास्थ्य, और समृद्धि प्रदान करती है। परंतु, हमारी अत्याधुनिक जीवनशैली ने प्रकृति को बहुतायत संकटों का सामना करना पड़ा है। इस संदर्भ में, प्रकृति के साथ शांति का महत्वपूर्ण अर्थ है। प्रकृति की शांति के लिए सबसे पहला कदम है प्रकृति की संरक्षा। हमें वन्यजीव, जल, वायु, और मिट्टी की रक्षा करनी चाहिए। अपराध और विनाशकारी गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कानून और नीतियों की जरूरत है। स्थायी विकास के लिए, हमें प्राकृतिक उत्पादन का बढ़ावा करना चाहिए। यह हमें अधिक समृद्ध और स्वास्थ्यपूर्ण जीवन प्रदान करेगा और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखेगा। हमें एक संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए जो प्रकृति के साथ समन्वय में हो। यह सामाजिक, आर्थिक, और पर्यावरणीय स्तर पर हमें शांति और समृद्धि प्रदान करेगी। अंततः, हमें प्रकृति के साथ हमारे संबंध को समझने की जरूरत है। जागरूकता के माध्यम से हम अपने कार्यों को प्रकृति के साथ मिलाने की ओर अधिक अग्रेषित हो सकते हैं और शांति को स्थापित कर सकते हैं। प्रकृति के साथ शांति का मानव जीवन में महत्वाकांक्षी योगदान हमारे लिए अभिन्न भाग होना चाहिए। इसे संरक्षित करना और समालोचनात्मक रूप से उपयोग करना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि हम और आने वाली पीढ़ियों को भी एक स्वस्थ और सुरक्षित धरातल प्रदान कर सकें। प्रकृति हमारे जीवन का मूल आधार है। यह हमें वस्त्र, भोजन, और अन्य संसाधनों की प्राप्ति में सहायक होती है। हालांकि, आज के दौर में हमारी लापरवाही और असंतुलन प्रकृति को क्षति पहुंचा रहे हैं। इस संदर्भ में, प्रकृति के साथ शांति बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रकृति के साथ शांति बनाए रखने का मतलब है कि हमें अपने पर्यावरण की रक्षा करने के लिए सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। हमें अपने उपयोग और उत्पादन के प्रक्रियाओं को बदलने की आवश्यकता है ताकि हम प्रकृति के साथ संतुलन में रह सकें। इसके अलावा, हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ानी चाहिए। शांति के लिए प्रकृति की रक्षा मानव समाज के साथ हमारे आत्मिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक स्थलों में समय बिताना, प्रकृति से जुड़े गतिविधियों का आनंद लेना, और पेड़-पौधों के साथ विचार-विमर्श करना हमारे मन को शांति और स्थिरता प्रदान करता है। समाप्ति रूप में, प्रकृति के साथ शांति बनाए रखना हमारी सामाजिक, आर्थिक, और मानविक उन्नति के लिए आवश्यक है। हमें प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए समुदाय के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि हम सुस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण कर सकें। प्रकृति के साथ संवाद करना हमें अपने जीवन के महत्वपूर्ण मामलों पर नजर डालने की क्षमता प्रदान करता है। हम उसकी सौंदर्य का आनंद लेते हैं, उसकी स्वाभाविक सुगंध को अनुभव करते हैं और उसके साथ एकांत में विचार करते हैं। इससे हमारा मन शांत होता है और हम अपने आप को प्राकृतिक रूप से पूर्णता के संग्रह में पाते हैं। अतः, प्रकृति के साथ हमारे संबंध को संरक्षित रखना हमारे शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रकृति के साथ हमारा गहरा संबंध हमें संतुष्टि, शांति, और समृद्धि की अनुभूति कराता है। इसलिए, हमें इस प्राकृतिक शांति का हमेशा सम्मान करना चाहिए और इसे संरक्षित रखने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

प्रकृति हमारे जीवन का मूल आधार है। यह हमें खाने का सामग्री, ऊर्जा, और जीविका के स्रोत प्रदान करती है। हालांकि, हमारी आधुनिक जीवनशैली ने प्रकृति के साथ हमारे संबंध को तनावपूर्ण बना दिया है। यह समस्या गंभीर हो चुकी है, लेकिन हमें प्रकृति के साथ एक शांतिपूर्ण संबंध बनाने की जरूरत है। प्रकृति के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाने का मतलब है कि हमें उसका सम्मान करना, संरक्षण करना, और संतुलन बनाए रखना। हमें उसके साथ जीवन के साथी के रूप में जुड़ना चाहिए, न कि उसे अपने हितों के लिए शोषण का शिकार बनाना।

प्रकृति के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाने से हम अपने आत्मा को भी शांति प्राप्त करते हैं। वृक्षों के नीचे बैठना, प्राकृतिक वातावरण में चलना, और प्राकृतिक संगीत का आनंद लेना हमें मानसिक और शारीरिक स्वस्थता के लिए लाभकारी होता है। अतः, हमें समझना चाहिए कि प्रकृति की रक्षा करना हमारे अपने हित के लिए ही नहीं है, बल्कि यह हमारे शांति और सुख के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें प्रकृति के साथ एक गहरा और संबंध बनाकर उसके साथ एकता में जीने का प्रयास करना चाहिए। प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। यह हमें शांति, स्वस्थ्य, और समृद्धि की अनुभूति प्रदान करती है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे जीवन का हर एक पहलू प्रकृति के साथ गहरे रूप से जुड़ा है। प्रकृति की सुंदरता, उसका शांतिपूर्ण वातावरण, और उसकी स्थिरता हमें मन की शांति और आत्म-संवाद की स्थिति में ले जाती है। जब हम प्रकृति के साथ संवाद में होते हैं, तो हम अपने आप को शांति और संतुलन में पाते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

अयोध्या में गुरुवार को गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत राज्य के विधायकों के साथ अयोध्या में राम लला मंदिर के दर्शन करने जाते हुए।

प्रसारण के अभिनव विकल्पों की तलाश करें : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को डायरेक्ट-टू-मोबाइल जैसे प्रसारण के अभिनव विकल्पों की संभावना तलाशने की वकालत की ताकि समाज के सभी वर्गों तक विस्तृत विषय सामग्री की पहुंच सुनिश्चित की जा सके और क्षेत्र आत्मनिर्भर बन सके।

वार्षिक ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसाइटी एक्सपो का उदघाटन करते हुए ठाकुर ने वैज्ञानिक प्रतिभा को बढ़ावा देकर, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच साझेदारी से स्वदेशी अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा, नई डायरेक्ट टू मोबाइल (डी2एम) प्रौद्योगिकियों ने न केवल टेलीविजन पर बल्कि मोबाइल फोन, नोटपैड जैसे हाथ में लेकर चलने वाले उपकरणों पर किसी भी समय, कहीं भी, और वह भी इंटरनेट की आवश्यकता के बिना क्षेत्रीय प्रसारण के लिए रोचक सामग्री की संभावनाएं दी हैं।ठाकुर ने कहा, हमें 'नेक्स्ट जेन ब्रॉडकास्टिंग' जैसे प्रसारण के नवीन विकल्पों को तलाशना और अपनाना चाहिए, जो न केवल हमारे समाज के सभी वर्गों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करेगा, बल्कि लगातार विकसित हो रहे उपयोगकर्ता अनुभव के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी काम करेगा।

सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने कहा कि प्रसारण उपकरण क्षेत्र करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर का है और इसका बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय स्वदेशी उपकरणों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है।

अबू धाबी में हिंदू मंदिर के उद्घाटन का साक्षी बनकर धन्य हूं: अक्षय कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अबू धाबी/भाषा। अभिनेता अक्षय कुमार अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर के उदघाटन समारोह में शामिल होकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर का उदघाटन किया था। बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा इस मंदिर का निर्माण किया गया है।

अभिनेता अक्षय कुमार ने बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंदिर की एक तस्वीर साझा की और लिखा '' अबू धाबी में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के उदघाटन समारोह का हिस्सा बनकर धन्य हूं..''

समारोह में अभिनेता विवेक ओबेरॉय, दिलीप जोशी, गायक शंकर महादेवन और फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर भी शामिल हुए। मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल राहबा के पास 27 एकड़ क्षेत्र में करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है।

विपक्ष के पास मोदी का विकल्प नहीं, इसलिए चुनावी बॉन्ड मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को चुनावी बॉन्ड पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को तवज्जो नहीं देने का प्रयास करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के हर फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। पार्टी ने विपक्षी दलों पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप भी लगाया। भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है क्योंकि उसके पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और उनकी सरकार द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों से मुकाबले का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा की यह प्रतिक्रिया लोकसभा चुनाव से पहले उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद आई है।

कोहली ने पीटीआई से कहा, हम अदालतों में वकालत करते हैं और रोजाना मामले जीते और हारे जाते हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के किसी भी आदेश या उसके फैसले को स्वीकार किया जाना चाहिए और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन जो राजनीतिक दल इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, वे मुख्य रूप से इस आधार पर ऐसा कर रहे हैं क्योंकि उनके पास मोदीजी के नेतृत्व और उनकी सरकार द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों का कोई जवाब या विकल्प नहीं है, जिनसे करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं। कोहली ने कहा कि भारत अब 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ये राजनीतिक दल खुद ऐसी स्थिति में हैं कि जिस गठबंधन को वे बनाने की कोशिश कर रहे थे, वह लगभग खत्म हो रहा है या यह अपने पैरों पर खड़ा होने से पहले ही खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, इसलिए इसका राजनीतिकरण करने का उनका कारण बहुत स्पष्ट है। कोहली ने कहा कि सरकार चुनावों में काले धन के इस्तेमाल के मुद्दे के समाधान के लिए चुनावी बॉन्ड योजना लाई थी। भाजपा नेता ने कहा, सबसे बड़ा परिप्रेक्ष्य यह है कि यह कई दशकों से चिंता का एक विषय रहा है कि काले धन या धन को चुनावी प्रक्रिया में आने से कैसे रोका जाए।

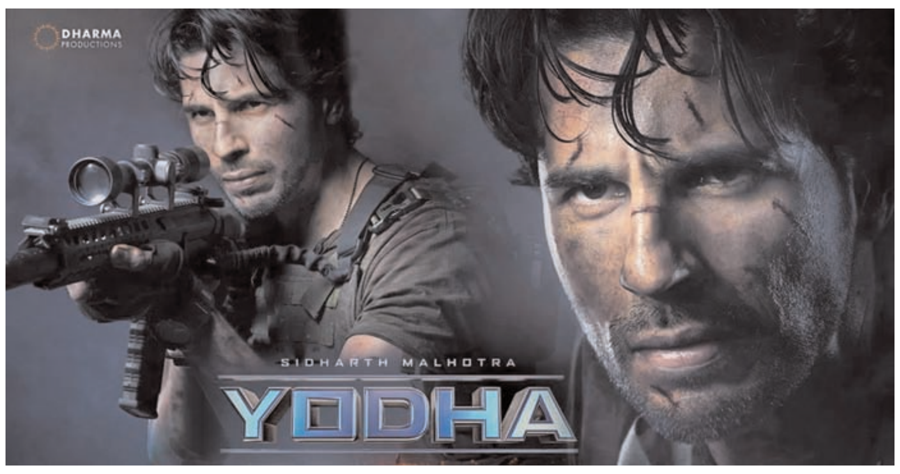

करण जौहर ने जारी किया 'योद्धा' का पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा लंबे समय से अपनी मचअवेटेड फिल्म 'योद्धा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब फिल्म का पोस्टर सामने आ चुका है। इसे खास अंदाज में पेश किया गया है। सिद्धार्थ और फिल्ममेकर करण जौहर ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसका वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह से आसमान में फिल्म का पोस्टर जारी किया गया है। कुछ लोग पोस्टर लेकर प्लेन में जाते हैं। इसके बाद 3 लोग पोस्टर को लेकर प्लेन से छलांग लगा देते हैं। 13000 फीट की ऊंचाई पर पोस्टर खुलता है और सिद्धार्थ का पहला लुक सामने आता है। सिद्धार्थ वर्दी पहने और हाथ में बंदूक लिए नजर आ रहे हैं। फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ के साथ एक्ट्रेस दिशा पाटनी और राशि खन्ना स्क्रीन स्पेस शेयर करते हुए नजर आएंगे। इस पोस्टर के साथ फिल्म के टीजर की घोषणा भी कर दी गई, जो 19 फरवरी को जारी किया जाएगा। फिल्म 13 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

बता दें कि फिल्म में एक ऐसा योद्धा की कहानी दिखाई गई है, जो एयरप्लेन हाईजैक करने वाले आतंकियों के खिलाफ लड़ता है और प्लेन में मौजूद सभी यात्रियों को सही-सलामत वापस लेकर आता है।

योद्धा के किरदार में सिद्धार्थ नजर आएंगे, जो एक सोल्जर बने हैं। सिद्धार्थ ने इससे पहले 'शेरशाह' में एक सैनिक की भूमिका निभाई थी। धर्मा प्रोडक्शन फिल्म 'योद्धा' हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान द्वारा निर्मित है। बता दें सिद्धार्थ इससे पहले पिछले महीने ओटीटी पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आए थे।

सई तम्हणाकर ने सिनेमा और ओटीटी पर किया धमाल

मुंबई/एजेन्सी

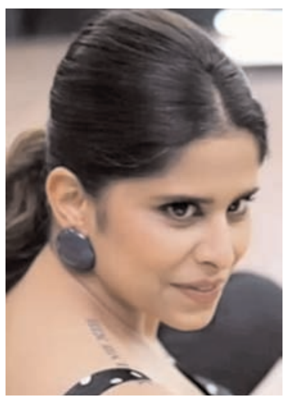

किसी अभिनेता के लिए सिल्वर स्क्रीन और डिजिटल क्षेत्र दोनों पर एक साथ हावी होना किसी उपलब्धि से काम नहीं है। हालही में रिलीज़ हुई फिल्म 'श्रीदेवी प्रसन्ना' के साथ सई तम्हणकर लोगों के दिलों पर छाई हुई हैं और अब उनकी नेटफ्लिक्स रिलीज़ 'भक्षक' भी धमाल मचाये हुए है। ये कहना गलत नहीं होगा कि सई दोहरी सफलता का आनद ले रही है। मनोरंजक क्राइम थ्रिलर 'भक्षक' ने न केवल नेटफ्लिक्स इंडिया की टाइटल फिल्मों में प्रमुख स्थान हासिल किया है, बल्कि नंबर एक की प्रतिष्ठित रैंक भी हासिल कर चूका है। सई के लिए, इस परियोजना का हिस्सा बनना उनके लिए मील का पत्थर साबित हुई है।

जब आप एक फिल्म बनाते हैं, उस फिल्म का भविष्य हम नहीं प्रिडिक्ट कर सकते , लोगों का रिएक्शन होगा। लेकिन हर बार जब आप एक अभिनेता के रूप में कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं, तो आप एनर्जी महसूस करते हैं। 'भक्षक' उन्हीं प्रोजेक्ट्स में से एक था। शूटिंग के दौरान हमें लगा कि हम कुछ महत्वपूर्ण कहना चाहते हैं,'' सई ने बताया।

वह आगे कहती हैं, फिल्म रिलीज के बाद, मुझे दर्शकों से वही एनर्जी और भावनाएं महसूस हुईं जिन्होंने उस बातचीत की सराहना की जो हम 'भक्षक के ज़रिये से शुरू करना चाहते थे। हमने अपने भीतर कुछ ऐसा जगाया जो या तो खो गया था या भुला दिया गया था, और दर्शक इसी चीज़ से खुद को जोड़ पाए हैं किसी अभिनेता के लिए ऐसी परियोजनाओं का हिस्सा बनना बहुत ही गर्व की बात है जो बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से परे हों। मैं सम्मानित, धन्य और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं, कभी-कभी, जब आप कुछ नई चीज़ ट्राय करते हैं तो दूसरे लोग आपको नीची दृष्टि से देखते हैं। 'भक्षक ' जैसी फिल्में उस गरिमा को वापस पाने में मदद करती हैं। मैं खुद को धन्य और दुनिया के शीर्ष पर महसूस कर रही हूं क्योंकि मेरी मराठी फिल्म भी सिनेमाघरों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और भक्षक ओटीटी पर धमाल कर रही है। 'श्रीदेवी प्रसन्ना' और 'भक्षक ' के साथ सई तम्हनकर की सफलता एक अभिनेता के रूप में उनके कौशल का उदाहरण देती है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में मस्ती करेगा छोटा भीम और लिटल सिंघम

मुंबई/वार्ता

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2024 में छोटा भीम और लिटल सिंघम लोगों के साथ मस्ती करता नजर आयेगा। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने एंटरटेनमेन्ट पार्टनर के रूप में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2024 के साथ हाथ मिलाया है।नई दिल्ली पुस्तक मेला 18 फरवरी तक होगा।चिल्ड्रन्स पैविलियन में रोज़ाना कई सैशन्स होंगे, जहां एंटरटेनमेन्ट पार्टनर वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के द्वारा पोगो, कार्टून नेटवर्क, डिस्कवरी किड्स, डिस्कवरी चैनल और एनिमल प्लेनेट की ओर से रोमांचक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।रोमांच को बढ़ाते हुए प्रतिष्ठित टून स्टार्स जैसे छोटा भीम और लिटल सिंघम ने सप्ताहान्त के दौरान मेले में आने वाले बच्चों को लुभाकर उन्हें यादगार अनुभव प्रदान किया। रोचक कार्यशालाओं से लेकर मनोरंजक परफोर्मेन्स और इंटरैक्टिव सत्रों तथा भारत के सुपरहीरो जैसे लिटल सिंघम और छोटा भीम तक वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने सब कुछ कवर किया है। पोगो, कार्टून नेटवर्क और डिस्कवरी चैनल ने एक साथ मिलकर भारतीय सुपरहीरोज़ जैसे लिटल सिंघम और छोटा भीम के परफोर्मेन्स, कार्यशालाओं तथा कार्टून नेटवर्क के सुपरहीरोज़ के साथ इंटरैक्टिव सत्रों के आयोजन की योजना भी बनाई है।

महेश शेट्टी ने अपना 'फाइटर' अनुभव साझा किया!

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में महेश शेट्टी सिद्धार्थ आनंद की एक्शन-थ्रिलर 'फाइटर' में नजर आए थे। अपनी मासूम मुस्कान, गर्मजोशी भरे व्यक्तित्व और अभिनय क्षमताओं से उन्होंने दर्शकों के दिलों में बड़ी चतुराई से अपने लिए एक अनोखी जगह बनाई है। फिल्म में, महेश ने स्क्वाड्रन लीडर राजन उन्नीनाथन की भूमिका निभाई है, जो पैटी (ऋतिक रोशन द्वारा अभिनीत) का विंगमैन है। फिल्म में दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर भी मुख्य भूमिका में हैं। महेश ने स्पष्ट रूप से फिल्म की शूटिंग के अपने अनुभव को साझा किया और कलाकारों के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें ठंडे तापमान में शूटिंग और वायु सेना क्वार्टर में रहना शामिल था। अभिनेता ने कहा, हमने फिल्म का एक बड़ा हिस्सा भारत के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक पर वास्तविक लड़ाकू विमानों का उपयोग करके फिल्माया है। हम वहां व्यावहारिक रूप से वायु सेना के अधिकारियों के साथ रहते थे और हर दिन बहुत कुछ सीखते थे। यह एक चुनौतीपूर्ण अनुभव था, क्योंकि हम बाहरी दुनिया से लगभग पूरी तरह से कट गये थे। सुरक्षा कारणों से हमारे मोबाइल फोन अंदर ले जाने की इजाजत नहीं थी। फिर भी, यह एक ऐसा अनुभव था जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

हमारे प्रवास के दौरान मौसम अनुकूल था, लेकिन जब हम कश्मीर गए तो यह एक अलग कहानी थी। तापमान -2 डिग्री तक गिर गया और भारी बर्फबारी हो रही थी। हमें बर्फ की लड़ाई और बाइक की सवारी के दृश्य फिल्माने थे, और हम सभी ठंड से ठिठुर रहे थे। बर्फ में शूटिंग करना बर्फ पर छुट्टियाँ बिताने जैसा कुछ नहीं है – यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण अनुभव है।

उन्होंने आगे कहा, ऋतिक और मुझे फिल्म में अपनी भूमिकाओं के लिए फ्लाइट सिमुलेशन करने की आवश्यकता थी। सिद्धार्थ सर ने फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले ही हमारे लिए एक कठोर बूट कैंप में भाग लेने की व्यवस्था की थी। इस दौरान, हमने सीखने के लिए अधिकारियों के साथ बातचीत की। प्रत्येक जेट की बारीकियों और जी फोर्स, विमान के निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण विवरणों से परिचित होने के लिए हमें बहुत सारी पठन सामग्री दी गई।

सेट पर, हमारे पास एक अधिकारी रेमन था, जिसने हमारी शारीरिक भाषा और अन्य चीजों में हमारी मदद की हमारे प्रदर्शन को और अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए बारीकियां। मैंने कुछ एनएसजी कमांडरों से भी मुलाकात की और वर्दी में एक आदमी होना कैसा होता है इसकी बेहतर समझ पाने के लिए उनके बूट शिविरों में भाग लिया। इस बीच, अभिनेता अपनी आगामी सीरीज 'कान खजूरा' पर काम कर रहे हैं, जो इज़राइली शो 'मैगपाई' का रूपांतरण है।

'बस्तर' में भारत का झंडा लहराना जुर्म है, दूसरा टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

'द केरल स्टोरी' के डायरेक्टर सुदिप्तो सेन और एक्ट्रेस अदा शर्मा अब अपनी नई फिल्म में नक्सलवाद की समस्या लेकर आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' का एक टीजर कुछ दिन पहले आया था, जिसमें अदा के किरदार को इंट्रोड्यूस किया गया था। इस टीजर में अदा एक आईपीएस ऑफिसर नीरजा माधवन के रोल में दिख रही थीं। 'बस्तर' के पहले टीजर में उनका किरदार नक्सलियों के खिलाफ मोर्चा लेने के लिए तैयार नजर आ रहा था। अब मेकर्स ने फिल्म का एक नया टीजर शेयर किया है। इस टीजर में अभिनेत्री इंदिरा तिवारी के किरदार से परिचय करवाया गया है, जिन्होंने नेटफ्लिक्स की फिल्म 'सीरियस मेन' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का किरदार निभाया था। 'बस्तर' के दूसरे टीजर में नक्सल प्रभावित बस्तर में गांव वालों पर हो रहे जुल्म की कहानी बताई गई है।

टीजर में इंदिरा के किरदार का नाम रत्ना कश्यप है। जहां अदा का किरदार 'बस्तर' की कहानी में सिस्टम को रिप्रेजेंट करता है, वहीं इंदिरा के किरदार के जरिए मेकर्स ने नक्सलवाद की समस्या से पीड़ित गांव वालों को दिखाया है। टीजर में ये किरदार कह रहा है, 'मेरे पति को नक्सलियों ने मार दिया, पूरे गांव के सामने 32 टुकड़े कर दिए और उसके खून से अपने शहीद स्तम्भ को, मेरे हाथों से रंगवाया। क्या गलती थी उसकी? बस यही कि उसने 15 अगस्त को अपने स्कूल में भारत का झंडा लहराया।' इसके बाद टीजर में नक्सलवाद की समस्या की इंटेंसिटी बताने के लिए एक डायलॉग है, 'बस्तर में भारत का झंडा लहराना जुर्म है, जिसकी सजा दर्दनाक मौत।' रत्ना के किरदार से आप सुनते हैं कि नक्सली उसके बेटे को भी उठा कर ले गए और वो उसे भी नक्सली बनाना चाहते हैं। 'हर परिवार से एक बच्चा उनको देना पड़ता है, नहीं देते तो मार देते हैं... आखिर बस्तर की मांएं करें तो करें क्या?' रत्ना का किरदार आगे बताता है।

इसके बाद ये किरदार अपने इरादे बताता है, जिससे साफ होता है कि फिल्म में इंदिरा, अदा शर्मा के साथ नक्सलियों से लड़ती नजर आएंगी। उनका किरदार कहता है, 'मैं मेरे पति का बदला और अपने बेटे को वापिस लेने के लिए जिंदा हूं। मैंने हथियार उठाए हैं. बस्तर से नक्सलियों को खत्म करके रहूंगी।' निर्देशक सुदिप्तो सेन की फिल्म 'बस्तर' 15 मार्च को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है।

फिल्म को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जो 'द केरल स्टोरी' भी लेकर आए थे। इससे पहले विपुल 'आंखें' और 'नमस्ते लंदन' जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं। बतौर निर्माता वो 'सिंह इज किंग', 'कमांडो' और 'फोर्स' जैसी फिल्मों से जुड़े रहे हैं. 'द केरल स्टोरी' 2023 की एक बड़ी सरप्राइज हिट थी। अब नजरें इस पर रहेंगी कि 'बस्तर' वैसा कमाल कर पाती है या नहीं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

मंदिर में फूलों की भीनी भीनी सुंगध आ रही थी, धूप दीप की उर्जा से मंदिर महक रहा था। मंत्रों की कर्णप्रिय ध्वनि मन को आह्लदित कर रही थी। बड़ी संख्या में उमड़े साधु साध्वी की उपस्थित मंदिर को और दैवीयता प्रदान कर रही थी।

बसवनगुड़ी के विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी पर हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ ध्वजारोहण

आचार्यश्री की निश्रा में तेजराज गुलेच्छा परिवार ने शिखर पर फहराई ध्वजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंदिर में फूलों की भीनी भीनी सुंगध आ रही थी, धूप दीप की उर्जा से मंदिर महक रहा था। मंत्रों की कर्णप्रिय ध्वनि मन को आह्लदित कर रही थी। बड़ी संख्या में उमड़े साधु साध्वी की उपस्थित मंदिर को और दैवीयता प्रदान कर रही थी। संगीतकारों के वाद्ययंत्रों से निकली ध्वनि हर श्रद्धालुओं के थिरकने पर मजबूर कर रही थी। मौका था जिन कुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी और साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी आदि ठाणा की निश्रा में विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी का 19वां ध्वजारोहण का। कायमी ध्वजा के लाभार्थी संघवी तेजराज कुशलराज गुलेच्छा परिवार द्वारा जिनालय के उत्तुंग शिखर पर ध्वजा लहराई। गुरुवार को प्रातः काल की शुभवेला

में संघवी गुलेच्छा परिवार के आनन्दा प्लेटिनम अपार्टमेंट्स स्थित निवास से ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई जो जिनालय पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

मंदिर पहुंचने पर संघ के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, उपाध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, खरतरगच्छ संघ के महामंत्री अरविन्द कोठारी और अन्य सदस्यों ने ध्वजा को अक्षतों से बधाया, जहां रोहित गुरुजी के द्वारा विधि विधान सहित और श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा पढाई गई। सत्तरभेदी पूजा की नवमी ध्वजा पूजा के दौरान जिनालय के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। मंदिर प्रतिष्ठा के बाद लगभग 19 वर्ष के बार आचार्यश्री की निश्रा में हो रहे इस ध्वजारोहण में इस बार विशेष उत्साह दिखाई दे रहा था।

इस मौके पर अनेक श्रद्धालुओं ने जीवदया में अपनी अपनी ओर से अर्थसहयोग की घोषणा की। साथ ही संघवी तेजराज गुलेच्छा ने भी अनेक बड़े सहयोगों की घोषणा की गई। संघवी परिवार द्वारा सकल संघ का स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। संघ के ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि शिखर के ऊपर कलश पर पिरगल परिवार द्वारा अभिषेक किया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में दादावाड़ी ट्रस्ट के ट्रस्टीगण, ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

यशवंतपुर में तेरापंथ धर्मसंघ का अनोखा पर्व 'मर्यादा महोत्सव' आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ का अनोखा पर्व है मर्यादा महोत्सव। 16 फरवरी को तेरापंथ का महाकुंभ मर्यादा महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम नई मुम्बई के वाशी में आचार्यश्री महाश्रमणजी की निश्रा में मनाया जा रहा है। उसी श्रृंखला में शहर के यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में तेरापंथ सभा यशवंतपुर के तत्वावधान में साध्वी श्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 'तेरापंथ मर्यादा महोत्सव' सुबह 9 बजे से मनाया जाएगा।

साध्वीश्री राजाजीनगर से विहार कर साध्वीश्री लावण्यश्रीजी कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करने के लिए यशवन्तपुर में गौतम मुथा के निवास स्थान पर पहुंची। साध्वीश्री ने कहा कि आज हम विशेष लक्ष्य लेकर यशवंतपुर आए है। मर्यादा महोत्सव में धर्मसंघ की मर्यादा को याद कर आगे के लक्ष्य को निर्धारित किया जाता है तथा आचार्यश्री सभी संभावित चातुर्मासों की घोषणा करते हैं। साध्वीश्री ने गांधीनगर, विजयनगर, आरआर नगर, यशवंतपुर, शांतिनगर, विल्सन गार्डन, टी दासरहल्ली आदि क्षेत्रों के तेरापंथी युवक, युवतियों व महिलाओं की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि बेंगलूरु तेरापंथ समाज सजग और सेवाभावी है।

यशवंतपुर मुथा निवास पहुंचने पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा ने साध्वीश्री का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। इस मौके पर गांधीनगर तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, मदनलाल बरड़िया ने भी साध्वीश्री का स्वागत किया। मुथा परिवार की महिलाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। साध्वीश्री सिद्धान्तश्री, दर्शितप्रभाजी ने अतीत की स्मृतियां से भरपूर गीत की प्रस्तुति दी। तेयुप गांधीनगर के अध्यक्ष रजत बैद, यशवंतपुर अध्यक्ष जिगर मारु, प्रभारी जितेन्द्र घोषाल, अभातेयुप के विनोद मुथा, राकेश पोकरना आदि टीम ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

विल्सन गार्डन संघ में गुरु अमर पुण्यस्मृति दिवस 18 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन के तत्वावधान श्रुताचार्य गुरुदेवश्री अमरमुनिजी की 12वीं पुण्यतिथि श्रमणसंघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी व वरुणमुनिजी के सान्निध्य में 18 फरवरी को जप-तप एवं जन-कल्याणकारी कार्यों द्वारा मनाया जाएगा। मुनिश्री रुपेशमुनिजी ने कहा ंकि रविवार को सुबह 6 बजे नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप तथा उसके बाद गुणानुवाद सभाका आयोजन होगा। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने बताया कि गुरुश्री अमरमुनिजी म. सा. के

संयम अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में एक विशेष विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया जा रहा है। संघ के मंत्री सज्जन बोहरा ने बताया कि समारोह में पूरे देश से श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी गुरु भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'नाजुक सा रिश्ता ननद-भाभी का' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में रिलेशनशिप स्किल अभियान के अंतर्गत 'नाजुक सा रिश्ता ननद-भाभी का' विषयक कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में बच्छराज सुराणा के निवास पर किया गया। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि ननंद भाभी के रिश्ते की डोर बहुत नाजुक होती है जहां एक तरफ प्यार और दूसरी तरफ तकरार भी होती है।

साध्वीश्री लावण्य श्री जी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाते हुए कहा कि हम अपने व्यवहार एवं सोच में परिवर्तन कर ननद भाभी के रिश्तो में होने वाली दूरियों को मिटा सकते हैं क्योंकि यह रिश्ता बहुत ही सुंदर होता है और यह दोस्ती के रिश्ते के जैसे होना चाहिए।

इस रिश्ते की वजह से परिवार में मजबूती आती है । साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी ने बहुत ही सुंदर ढंग से इस रिश्ते की परिभाषा बताई और ननद भाभी के बीच में संयम रखते हुए इस रिश्ते को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी । कार्यक्रम का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। संगठन मंत्री रंजीता बोथरा ने धन्यवाद दिया।

सरस्वती पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नवदुर्गा सेवा ट्रस्ट द्वारा कामाक्षीपाल्या के बीएनएम हॉल में मां सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की पूजा कर दर्शन किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने सरस्वती मां की विशेष पूजा की और आशीर्वाद प्राप्त किया। स्थानीय कलाकारों ने भजन प्रस्तुत किये। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

बसंत पंचमी पर शांतिसूरी धाम पर आयोजित हुए अनेक धार्मिक कार्यक्रम

अरसीकरे/दक्षिण भारत। बसंत पंचमी के मौके पर शांतिसूरी भगवान के जन्म एवं दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण शांतिसूरी धाम अरसीकेरे में सामूहिक लाभार्थियों के सहयोग से अष्टप्रकारी पूजा व भजन संध्या का आयोजन किया गया। सुबह बेंगलूरु की जैन युवा नारी शक्ति मंडल ट्रस्ट की सदस्याओं ने विशेष शोभायात्रा निकाली गई। शाम को उमेश-प्रिंस भंडारी की जोड़ी के साथ प्रकाश राठौड़, मनोज गिरिया आदि गायकों ने भजनों की प्रस्तुति देते हुए तीर्थ धाम को भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

महिलाओं के लिए आयोजित किया कैंसर जागरुकता कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर महिला मंडल, बहुमंडल व बालिका मंडल के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरुकता कार्यक्रम में डॉ अनिल मेहता ने आडियो विडियो प्रजेन्टेशन के माध्यम से उपस्थित महिलाओं को कैंसर से बचने व कैंसर के कारणों व लक्षणों की विस्तार से जानकारी देते हुए कैंसर से डरने नहीं लड़ने की प्रेरणा दी।

डॉ अनिल ने कहा कि वेलेन्टाइन डे के दिन महिलाओं को कैंसर जैसी भयानक बीमारी के लिए जागरुक बनाना ही सबसे अच्छा उत्सव रहा। निशा भंसाली ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि वे कैसे कैंसर जैसी भयावह बीमारी को हराकर आगे बढ़ी। इस कार्यक्रम में शामिल 58 महिलाओं ने डॉ अनिल मेहता

से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ संतरी ने भी महिलाओं को विशेषकर महिलाओं में होने वाले कैंसर की जानकारी व बचाव के तरीके बताए। यह जानकारी संगीता मेहता ने एक विज्ञप्ति में दी।

अलसूर संघ के पदाधिकारियों ने सांसद चौधरी का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पाली से सांसद पी पी चौधरी ने अपने बेंगलूरु प्रवास के दौरान अलसूर जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया के निवास स्थान पर पधारें जहां अलसूर जैन समाज की ओर से संघ मंत्री अभयकुमार बांठिया ने स्वागत किया। संक्षिप्त प्रवास के दौरान सांसद ने कहा कि प्रवासी बंधुओं की आत्मीयता देख कर बहुत खुशी होती हैं। प्रवासियों ने अपनी सेवा भावना से सर्वत्र अपनी सौरभ फैलाई है। उन्होंने व्यापार में नवीनता लाने की प्रेरणा दी और हमेशा सजग रहने को कहा। इस अवसर पर पाली जिला परिषद सदस्य पूनाराम उपस्थित थे। इस अवसर पर उत्तमचंद तातेड़, दीपक भंडारी, गौतमचन्द चोरडिया, राजेश लोढ़ा, ललित कांकरिया, महावीर चोरडिया, नीतेश धोका आदि उपस्थित थे।

जीतो यूथ गेम्स का सीजन-3 में हो रही है विभिन्न प्रतियोगिताएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) यूथ गेम्स के तीसरे संस्करण का शुभारंभ हुआ जिसमें विभिन्न खेलों के लिए बारह टीम के छ: सौ सदस्यों की भागीदारी रही। कोरमंगला स्थित टर्फ़पार्क में आयोजित यह खेल प्रतियोगिता फतेह स्टोन्स के प्रायोजन में हो रही है। जीतो युवा खेल सीजन-3 के अंतर्गत प्रति माह अलग अलग खेल स्पर्धा रखी जाएगी, जिसमें जैन लाईफ़ स्पेसस, अस्टोन एवेंजर्स, जवान पलटन्स, औरे एसेसिंस, वुडलेब वॉरीयर्स, डाईन डायनमाईट्स, पटेल स्ट्राईकर्स, क्लिकोपीडिया खिलाडीज़, टाईटेंस, ट्रेवेंजा हॉलीडेज़, पर्ल पेंथर्स और यूनिका सहित बारह टीम भाग ले रही है। इस कार्यक्रम के दौरान छ: विविध

कोर्ट में बॉक्स क्रिकेट के कुल 120 खेल गए और 28 अंपायर ने इसमें निर्णायक भूमिका निभाई।

जीतो संस्था के चेयरमैन दिनेश बोहरा और जीतो यूथ साऊथ के चेयरमैन पिंकेश मेहता ने अपने विचार व्यक्त किए और प्रतिभागी टीमों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य सचिव संदीप पगारिया ने आगामी कार्यक्रमों की रूप रेखा प्रस्तुत की। विजेता टीम अस्टोन एवेंजर्स को कार्यक्रम में ट्रॉफी प्रदान की गई।

दिलचस्प मुकाबले में विजेता ने जैन लाईफ़ स्पेसस की टीम को हराया। ऑल राऊडर ट्रॉफी का पुरस्कार जैन लाईफ़ स्पेसस ने जीता। श्रेष्ठ खेल प्रदर्शन के लिए शुभांक शाह और संघवी जैन को सम्मनित किया गया।

शाकद्वीपीय ब्राह्मणों ने कोटिलिंगेश्वर तीर्थ में शिव पूजा व माध्यम गौशाला में गौपूजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जेपीनगर स्थित सूर्यनारायण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर गुरुवार को महोत्सव आयोजक एवं माध्यम गौशाला संस्थापक सुनील शर्मा ने सपत्नीक सरजापुर रोड स्थित माध्यम गौशाला पहुंच भगवान कृष्ण की पूजा कर गौसेवा की। वहीं गौशाला में अल्पाहार लाभार्थी तेजराज शर्मा, राजेन्द्र शर्मा परिवार का सुनील शर्मा सम्मान किया। इसके बाद सभी सदस्यों ने विश्व प्रसिद्ध कोटिलिंगेश्वर मंदिर पहुंचकर सामूहिक रूप से कृष्ण यजुर्वेद के मंत्रोच्चार के साथ सप्त शिवलिंग की स्थापना की। कोटिलिंगेश्वर पहुंचने पर रमेश शर्मा, सरिता शर्मा, दीपक शर्मा तथा रोहित शर्मा ने प्राण प्रतिष्ठा आयोजक सुनील शर्मा परिवार का सम्मान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे जिन्होंने गौशाला में गौसेवा की तथा कोटिलिंगश्वर मंदिर में शिव पूजा की ।

जैन मिशन अस्पताल में निशुल्क सर्जिकल शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबलापुर। जैन मिशन अस्पताल में 19 फरवरी से निशुल्क शल्यचिकित्सा शिविर का आयोजन बेंगलूरु के रोटरी बेंगलूरु इन्दिरानगर के सहयोग से किया जा रहा है।

इस निशुल्क शिविर में सामान्य व लेपरोस्कोपिक सर्जरी व कैट्रेक्ट सर्जरी की जाएगी। सामान्य व लेपरोस्कोपिक सर्जरी रोटरी बेंगलूरु व जैन मिशन ट्रस्ट के सहयोग से तथा कैट्रेक्ट सर्जरी पीएनबी हाउसिंग फाइनेन्स व प्रोजेक्ट दृष्टि के सहयोग से आयोजित की जा रही है। 16 व 17 फरवरी को सर्जरी से पहले जांच की जाएगी तथा 19 फरवरी से निशुल्क सर्जरी की जाएंगी। पंजीकरण के लिए मोबाइल 6364465055 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com